राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष: 11 अंक: 145 पृष्ठ : 08, नई दिल्ली, मंगलवार, 07 दिसम्बर 2021 मूल्य: 1.50/-

ख़ास ख़बर

गुलमर्ग सबसे ठंडा स्थान रहा

न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे सात डिग्री सेल्सियस

श्रीनगर। गुलमर्ग के अलावा सभी जगह सोमवार को न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु से अधिक रहा। मौसम विज्ञान विभाग ने सप्ताह के मध्य में बारिश का अनुमान जताया है। बारामूला जिले के गुलमर्ग में रविवार रात को न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे सात डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह घाटी का सबसे ठंडा क्षेत्र रहा।

आफ्स्पा को वापस लिया जाना चाहिए: मेघालय के मुख्यमंत्री

शिलांग। नगालैंड के मोन जिले में सुरक्षा बलों की गोलीबारी में असैन्य नागरिकों के मारे जाने की घटना के बीच मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने सोमवार को कहा कि सशस्त्र बल (विशेष शक्ति) अधिनियम, 1958 निरस्त किया जाना चाहिए। नागरिक समूह, मानवाधिकार कार्यकर्ता और पूर्वोत्तर क्षेत्र के नेता वर्षों से इस कठोर कानून को वापस लेने की मांग कर रहे हैं और इस कानून की आड़ में सुरक्षा बलों पर ज्यादती करने का आरोप लगाते हैं।

राहुल ने महापरिनिर्वाण दिवस पर आंबेडकर को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महापरिनिर्वाण दिवस पर सोमवार को बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि दी। गांधी ने ट्वीट किया, आज बाबा साहेब का महापरिनिर्वाण दिवस है। जब देश में बढ़ता हुआ सामाजिक अन्याय, हिंसा और भेदभाव देखता हूं तो सोचता हूं कि अभी बहुत काम बाकी है, बाबा साहेब का सपना अब भी दूर है। लेकिन हम वहां तक ज़रूर पहुंचेंगे। उन्हें मेरी विनम्र श्रद्धांजलि।

जरा हट के... बग्गा

नगालैंड: सरकार ने जताया अफसोस

सुरक्षा बलों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया

■ नई दिल्ली

लोकसभा में नेशनल डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी), कांग्रेस, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना, जदयू, राकांपा और बसपा सहित विभिन्न दलों के सदस्यों ने नगालैंड में सुरक्षा बलों की कथित गोलीबारी में कम से कम 14 आम लोगों के मारे जाने का मुद्दा सोमवार को उठाया तथा इस घटना की उच्च स्तरीय जांच कराने, मृतकों के परिजनों को पर्याप्त मुआवजा देने तथा गृह मंत्री से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। इससे पहले प्रश्नकाल के दौरान संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि यह बहुत संवेदनशील विषय है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह सदन में आकर विस्तृत बयान देंगे।शून्यकाल के दौरान लोकसभा में इस मुद्दे को उठाते हुए नगालैंड से नेशनल डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) के सांसद तोखेहो एपथोमी ने कहा कि नगालैंड-असम सीमा के पास घटी यह घटना अत्यंत दुखद है जिसमें कामकाज से लौट रहे श्रमिक मारे गए। अर्द्धसैनिक बलों को यह सूचना मिली थी कि ट्रकों में उग्रवादी जा रहे हैं और इसके बाद सुरक्षा बलों की अंधाधुंध गोलीबारी में कई श्रमिक मारे गए। बाद में उत्तेजित ग्रामीणों और सुरक्षा बलों में संघर्ष हुआ और फिर गोलीबारी में कुछ और लोग मारे गए। एपथोमी ने कहा कि पिछले 25 वर्षों से नगा मुद्दे के समाधान के लिए राजनीतिक वार्ता चल रही है, लोग काफी उम्मीद लगाए हुए हैं। राज्य में यह हॉर्नबिल उत्सव का समय है और क्रिसमस का त्योहार आने वाला है। ऐसे में इस प्रकार की दुखद घटना अत्यंत निंदनीय है। एनडीपीपी सांसद ने कहा कि सशस्त्र बल विशेषाधिकार कानून (आफ्स्पा) की समीक्षा होनी चाहिए तथा इस घटना की निष्पक्ष जांच की जाए और कानून का पालन किया जाए।

इस विषय को उठाते हुए कांग्रेस के गौरव गोगोई ने कहा कि 4-5 दिसंबर को नगालैंड में जो घटना घटी, उसे काला दिवस के रूप में स्मरण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के लोग शांति चाहते हैं, रोजगार चाहते हैं... ऐसे में पर्याप्त खुफिया जानकारी नहीं होने पर गोलीबारी में देश के लोगों के मारे जाने की यह घटना निंदनीय है।

गोगोई ने कहा कि इस घटना के संबंध में सख्त कार्वाई की जानी चाहिए और मृतकों के परिजनों को पर्याप्त मुआवजा दिया जाना चाहिए। द्रमुक के टी आर बालू ने कहा कि नगालैंड में सुरक्षा बलों की गोलीबारी में आम लोगों की मौत की घटना अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि इस घटना की उचित जांच की जानी चाहिए और पर्याप्त मुआवजा दिया जाना चाहिए।

आदिवासी संगठन का दावा, 17 लोगों की मौत हुई

एक शीर्ष आदिवासी संगठन ने दावा किया कि मोन जिले में असैन्य नागरिकों पर सुरक्षा बलों की गोलीबारी में मरने वालों की संख्या बढ़कर 17 हो गई, जबकि पुलिस के मुताबिक 14 लोग ही मारे गए हैं। पहली गोलीबारी की घटना जिसमें छह नागरिक मारे गए थे, तब हुई जब सेना के जवानों ने शनिवार शाम को एक पिकअप वैन में घर लौट रहे कोयला खदान कर्मियों को प्रतिबंधित संगठन एनएससीएन (के) के युंग आंग गुट से संबंधित उग्रवादी समझ लिया।

गृह मंत्री अमित शाह ने दिया जवाब

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नगालैंड में सुरक्षा बलों की कथित गोलीबारी 14 लोगों की मौत की घटना पर खेद प्रकट करते हुए सोमवार को कहा कि इसकी विस्तृत जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है तथा सभी एजेंसियों से यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि भविष्य में ऐसे किसी घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो।

भारत और रूस के संबंध स्थिर एवं मजबूत : विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ सोमवार को द्विपक्षीय वार्ता में कहा कि भारत और रूस के संबंध अनूठे हैं और तेजी से बदलती भू-राजनीतिक दुनिया में उल्लेखनीय रूप से स्थिर एवं मजबूत बने हुए हैं। रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोयगू और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव अपने भारतीय समकक्षों के साथ टू प्लस टू वार्ता करने के लिए रविवार रात यहां पहुंचे।

टू प्लस टू वार्ता से पहले जयशंकर ने लावरोव के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। जयशंकर ने बैठक की शुरुआत में कहा, भारत और रूस के संबंध अनूठे हैं। तेजी से बदलती भू-राजनीतिक दुनिया में, यह वास्तव में उल्लेखनीय रूप से स्थिर एवं मजबूत बने रहे हैं। मैं इस अवसर पर यह बात भी रेखांकित करना चाहूंगा कि हम अपने द्विपक्षीय संबंधों तथा अपने सहयोग की स्थिति से बहुत संतुष्ट हैं। इस टू प्लस टू वार्ता के बाद दिन में दोनों मंत्री राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ होने वाले शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

राज्यसभा में 12 सदस्यों के निलंबन के मुद्दे पर कार्रवाई बार बार बाधित हुई

■ नई दिल्ली

अशोभनीय आचरण के कारण निलंबित 12 सदस्यों का निलंबन वापस लिए जाने की मांग कर रहे विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण राज्यसभा की कार्यवाही सोमवार को दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजकर करीब पांच मिनट पर तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। दो बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे बैठक शुरू होने पर उपसभापति हरिवंश ने कुछ आवश्यक दस्तावेज रखवाने के बाद नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को बोलने का अवसर दिया। खड़गे ने कहा कि जिन 12 विपक्षी सदस्यों को निलंबित किया गया है, उन्हें सदन में आने की अनुमति दी जाए ताकि वे चर्चा और सदन की कार्यवाही में भाग ले सकें।

इस पर हरिवंश ने कहा कि इस मुद्दे पर सभापति ने नेता सदन और विपक्ष के नेताओं के बीच बातचीत कर कोई रास्ता निकालने के लिए पहले ही कह दिया है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को सदन में मूल्यवृद्धि के मुद्दे पर हो रही अल्पकालिक चर्चा में भाग लेना चाहिए। हरिवंश ने कहा कि अल्पकालिक चर्चा महत्वपूर्ण विषय पर हो रही है इसलिए विपक्ष सहित सभी दलों के सदस्यों को इसमें भाग लेना चाहिए। किंतु उप सभापति की इस अपील का कोई असर नहीं हुआ और इसके विपरीत कुछ विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते हुए आसन के समक्ष आ गए। सदन में हंगामा होते देख हरिवंश ने बैठक को अपराह्न तीन बजे तक स्थगित कर दिया।

महबूबा मुफ्ती ने कहा- कश्मीर दर्द में है...

■ नई दिल्ली

जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को दिल्ली के जंतर मंतर पर धरना दिया और मांग की कि केंद्र शासित प्रदेश में लोगों को कथित रूप से दबाना और बेगुनाह नागरिकों की हत्या फौरन बंद की जाए।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में धरना देने का फैसला इसलिए किया, क्योंकि उन्हें कभी भी कश्मीर में अपना विरोध दर्ज कराने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि वह जब भी विरोध प्रदर्शन करना चाहती थीं, तो या उन्हें घर में नज़रबंद कर दिया जाता था या पुलिस उन्हें ले जाती थी। जंतर मंतर पर धरने में पीडीपी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। कश्मीर एक ऐसी जेल बन गई है, जहां लोगों को अपनी राय रखने की इजाजत नहीं है। अगस्त 2019 से उनका (लोगों का) दमन किया जा रहा है और मुझे हैरानी है कि सरकार कुछ पेड मीडिया की मदद से घाटी में सब कुछ ठीक-ठाक दिखाने में मसरूफ है।

भारत-रूस के बीच चार रक्षा सौदों पर हस्ताक्षर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत और रूस ने उत्तर प्रदेश के अमेठी में छह लाख से अधिक एके-203 असाल्ट राइफलों के संयुक्त निर्माण के लिए एक समझौते पर सोमवार को हस्ताक्षर किए और दस वर्ष के लिए सैन्य सहयोग पर एक अन्य करार भी किया। भारतीय सशस्त्र बलों के लिए राइफलों का निर्माण करीब 5000 करोड़ रूपए की लागत से किया जाएगा। इन समझौतों पर भारत रूस अंतर सरकारी सैन्य एवं सैन्य तकनीक संबंधी आयोग की 20वीं बैठक के दौरान समझौते किए गए। बैठक की सह अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं उनके रूसी समकक्ष जनरल सर्गेइ शोइगु ने की। बैठक में सैन्य उपकरणों के संयुक्त उत्पादन को बढ़ाने सहित सामरिक सहयोग में वृद्धि करने के तरीकों को लेकर चर्चा की गई। दोनों पक्षों ने छोटे शस्त्रों की कालश्निकोव श्रृंखला के निर्माण के लिए किए गए समझौते में संशोधन करने वाले एक करार पर हस्ताक्षर किया। मूल समझौता फरवरी 2019 में किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि 20वें आईआरजीसी-एमएंडएमटीसी के प्रोटोकॉल पर एक अन्य समझौता भी किया गयाा।

सैन्य सहयोग पर एक समझौता वर्तमान रूपरेखा के नवीनीकरण को लेकर है।

मथुरा में मंदिर निर्माण के लिए वापस लिया जा सकता है उपासना स्थल अधिनियम : भाजपा सांसद

■ बलिया

भाजपा सांसद रवींद्र कुशवाहा ने मथुरा की श्री कृष्ण जन्म भूमि को लेकर अहम बयान देते हुए कहा है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार किसानों के विरोध को देखते हुए तीनों नए कृषि कानून को वापस ले सकती है तो फिर मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि पर भव्य मंदिर के निर्माण के लिए उपासना स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1991 को भी वापस लिया जा सकता है। भाजपा के सलेमपुर से सांसद रवींद्र कुशवाहा ने सोमवार को जिले के सीयर क्षेत्र पंचायत में विकास कार्यों के शिलान्यास से जुड़े एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा का शुरू से ही काशी, मथुरा और अयोध्या को लेकर स्पष्ट मत रहा है। यह तीनों हमारे लिए आस्था का विषय हैं। उन्होंने कहा अयोध्या का फैसला हो गया। काशी विश्वनाथ मंदिर में कार्य तेजी से जारी है तथा अब मथुरा की बारी है। कुशवाहा से सवाल किया गया कि जब देश में उपासना स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1991 लागू है तो फिर मथुरा में मंदिर निर्माण मामले का समाधान कैसे होगा, इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, जब मोदी सरकार किसानों के विरोध को देखते हुए तीनों नए कृषि कानून को वापस ले सकती है तो फिर मथुरा में जन्मभूमि पर भव्य मंदिर के निर्माण के लिए उपासना स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1991 को भी वापस लिया जा सकता है।

पीएम करेंगे सीएम के ड्रीम प्रोजेक्ट का शुभारंभ

■ गोरखपुर

खाद कारखाने के रूप में गोरखपुर को केंद्रित कर पूर्वांचल के किसानों और नौजवानों के हित में योगी आदित्यनाथ का सपना साकार गया है। अपने संसदीय कार्यकाल में करीब दो दशक तक जिसके लिए वह संघर्षरत रहे, उसका परिणाम आज देश-दुनिया के सामने है। गोरखपुर का खाद कारखाना सीएम योगी का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है और अब पूरी तरह पूर्ण इस प्रोजेक्ट का उद्घाटन करने के लिए पीएम मोदी मंगलवार को गोरखपुर आ रहे हैं।

गोरखपुर में 1990 में बंद हुए फ़र्टिलाइज़र कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के खाद कारखाने को दोबारा चलवाने या उसकी जगह नया कारखाना स्थापित करने को योगी आदित्यनाथ बतौर सांसद वह 19 सालों तक संघर्षरत रहे। 1998 से लेकर मार्च 2017 तक उनके संसदीय कार्यकाल में संसद का कोई भी ऐसा सत्र ऐसा नहीं रहा जिसमें उन्होंने इसके लिए अपनी आवाज बुलंद न की हो। योगी की पहल और उनकी पुरजोर मांग पर 22 जुलाई 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी आधारशिला रखी थी। अब उन्हीं के हाथों मंगलवार को इसका उद्घाटन होगा। सीएम योगी ने बतौर सांसद गोरखपुर में खाद कारखाना स्थापित करने के लिए केवल संघर्ष ही नहीं किया बल्कि मुख्यमंत्री बनने के बाद इसके निर्माण को तीव्र करने में योगदान दिया।

कश्मीरी पंडितों के लिए और सरकारी पदों की नेकां की मांग

जम्मू। जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस ने प्रधानमंत्री के विशेष पैकेज के तहत कश्मीरी पंडितों के लिए सरकारी पदों की संख्या बढ़ाने की मांग करते हुए सोमवार को कहा कि बढ़ती बेरोजगारी ने इस विस्थापित समुदाय के शिक्षित युवाओं में वंचित होने का भाव पैदा किया है। सभी पात्र विस्थापित परिवारों को दी जाने वाली नकद राहत 13,500 रुपए से बढ़ाकर 25,000 की भी मांग की है।

टीकाकरण: पीएम ने कहा गति बनाए रखें...

■ नई दिल्ली

देश में 50 प्रतिशत से अधिक पात्र वयस्क आबादी का पूर्ण टीकाकरण किए जाने को कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण पड़ाव करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि इस गति को बनाए रखना अहम है और साथ ही बचाव के सभी उपायों का पालन करते रहना भी जरूरी है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को बताया था कि देश में 50 प्रतिशत से अधिक पात्र वयस्क आबादी का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है। मोदी ने मांडविया के ट्वीट का जवाब देते हुए लिखा, भारत के टीकाकरण अभियान ने एक और अहम पड़ाव पार किया है। कोविड-19 के खिलाफ गति को बरकरार रखना महत्वपूर्ण है। कोविड-19 संबंधी सभी दिशानिर्देशों का पालन करें और सामाजिक दूरी बनाए रखें। मांडविया ने रविवार को ट्वीट किया था, बधाई हो भारत। यह बेहद गर्व का क्षण है, क्योंकि 50 प्रतिशत से अधिक पात्र आबादी का पूर्ण टीकाकरण हो गया है। हम साथ मिलकर कोविड-19 से निपटेंगे। गौरतलब है कि कोविड-19 रोधी देशव्यापी टीकाकरण अभियान की शुरुआत इस साल 16 जनवरी से की गई थी।

▶▶ भारत की 50 प्रतिशत से अधिक पात्र आबादी का पूर्ण टीकाकरण: प्रधानमंत्री मोदी ने यह गति बनाए रखने की अपील की।

अदालत | भारद्वाज को यूएपीए के प्रावधानों के तहत अगस्त 2018 में गिरफ्तार किया था

सुधा भारद्वाज की जमानत पर विचार करेगा एससी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह वकील-कार्यकर्ता सुधा भारद्वाज को तकनीकी खामी के आधार पर जमानत देने के बंबई उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ दायर एनआईए (राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण) की याचिका पर तत्काल सुनवाई के प्रतिवेदन पर विचार करेगा। भारद्वाज को यल्गार परिषद-माओवादी संबंध मामले में गैर कानूनी गतिविधियां रोकथाम कानून (यूएपीए) के प्रावधानों के तहत अगस्त 2018 में गिरफ्तार किया गया था।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जब याचिका पर तत्काल सुनवाई किए जाने का आग्रह किया, तो प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण, न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने कहा, हम देखेंगे। मेहता ने कहा, यह तकनीकी खामी के आधार पर जमानत दिए जाने का मामला है और यह आठ दिसंबर से प्रभावी होगा, इसलिए इस मामले पर सुनवाई की आवश्यकता है।

भारद्वाज को जमानत देने के बंबई उच्च न्यायालय आदेश के खिलाफ एनआईए ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की है। उच्च न्यायालय ने एक दिसंबर को अपने आदेश में कहा था कि केंद्र सरकार को अपदस्थ करने के षड्यंत्र में हिस्सा रही भारद्वाज जमानत की हकदार हैं और जमानत देने से इनकार करना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्राप्त जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के उनके मूल अधिकारों का हनन है। उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया था कि भायखला महिला जेल में बंद भारद्वाज को आठ दिसंबर को मुंबई की विशेष एनआईए अदालत में पेश किया जाए और उनकी जमानत की शर्तों एवं रिहाई की तारीख पर निर्णय लिया जाए। भारद्वाज इस मामले में गिरफ्तार 16 कार्यकर्ताओं और शिक्षाविदों में पहली आरोपी हैं जिन्हें तकनीकी खामी की वजह से जमानत दी गई है। कवि और कार्यकर्ता वरवर राव इस समय चिकित्सा के आधार पर जमानत पर हैं। पादरी स्टेन स्वामी की इस साल पांच जुलाई को अस्पताल में उस समय मौत हो गई थी, जब वह चिकित्सा के आधार पर जमानत का इंतजार कर रहे थे। अन्य आरोपी विचाराधीन कैदी के तौर पर जेल में बंद हैं।

उच्च न्यायालय ने बुधवार को अन्य आठ आरोपियों- सुधीर धावले, वरवर राव, रोना विल्सन, सुरेंद्र गाडलिंग, शोमा सेन, महेश राउत, वर्नोन गोंजाल्विस और अरुण फरेरा की तकनीकी खामी के आधार पर जमानत देने की याचिकाएं खारिज कर दी।

इस बार पहले से अधिक मजबूत सरकार बनाएंगे

■ लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को दावा किया कि उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी 2007 से भी अधिक मजबूत सरकार बनाएगी।उन्होंने कहा कि संविधान को सड़कों पर उतरकर नहीं, बल्कि सत्ता परिवर्तन करके बचाया जा सकता है।

मायावती ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की 65वीं पुण्यतिथि पर यहां एक संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में बसपा पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी और यह सरकार 2007 में बनी स्पष्ट बहुमत की उसकी सरकार के मुकाबले ज्यादा मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी उत्तराखंड में भी बेहतर प्रदर्शन करेगी और पंजाब में गठबंधन की मजबूत सरकार बनाएगी।

▶▶ बसपा अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को दावा किया कि उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी 2007 से भी अधिक मजबूत सरकार बनाएगी।

प्रधानमंत्री ने महापरिनिर्वाण दिवस पर अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को महापरिनिर्वाण दिवस पर संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक ट्वीट में कहा,भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर सादर श्रद्धांजलि। नरेंद्र मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद अंबेडकर की पुण्यतिथि हर वर्ष छह दिसंबर को मनाई जाती है। इसे महापरिनिर्वाण दिवस के तौर पर मनाया जाता है। बाबासाहेब आंबेडकर का निधन 6 दिसंबर 1956 को उनके दिल्ली स्थित आवास पर हुआ था।

आस्ट्रेलिया में 5-11 वर्ष के बच्चों को लगेगी फाइजर वैक्सीन, मिली मंजूरी

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया में अब 5-11 वर्ष की उम्र के बच्चों को कोरोना वैक्सीन के डोज दिए जाएंगे। दरअसल देश के दवा नियामकों ने रविवार को बच्चों के लिए फाइजर वैक्सीन को मंजूरी दे दी है। आस्ट्रेलिया के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि यह प्रक्रिया 10 जनवरी से शुरू होगी। स्वास्थ्य मंत्री ग्रेग हंट ने कहा, 'उन्होंने सावधानी और सतर्कता के साथ इसका पूरा निरीक्षण किया और बच्चों के लिए फाइजर की कोरोना वैक्सीन को सुरक्षित और प्रभावी बताया।' शुरुआत में आस्ट्रेलिया ने कोरोना वैक्सीनेशन की प्रक्रिया अपनाने में देर की लेकिन फिर यह दुनिया के सबसे अधिक वैक्सीन लगाने वाले देशों की लिस्ट में शामिल हो गया। बता दें कि यहां 16 साल से अधिक उम्र की 88 फीसद जनता को कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज मिल चुकी है। आस्ट्रेलिया में कोरोना वैक्सीन का विरोध करने वाले काफी कम संख्या में हैं। हालांकि वे वैक्सीन के विरोध मं हर सप्ताह रैली निकाल रहे हैं। उल्लेखनीय है कि देश भर में वैक्सीनेशन ऐच्छिक है लेकिन यहां के राज्यों में अनेक पेशे के लिए वैक्सीन को अनिवार्य नियम बना दिया गया है। इसके अलावा यहां के खुदरा परिसर जैसे बुक और ज्वैलरी स्टोर केवल उन निवासियों के लिए खुले हैं जिन्हें पूरी तरह से टीका लगाया गया है, जिनकी आयु 12 वर्ष से कम है या जिनके पास वैध छूट है। कोरोना वैक्सीन का विरोध करने वाले लोगों के समूह ने वैक्सीन का डोज लेने के बाद हुए साइड इफेक्ट के लिए मुआवजे की मांग की है। करीब 10,000 से अधिक लोगों का दावा है कि वैक्सीन से उन्हें साइड इफेक्ट हुए जिसके इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती तक होना पड़ा।

अमेरिका, कनाडा, नीदरलैंड्स में तेजी से फैल रहा 'ओमिक्रोन'

वाशिंगटन। अमेरिका में ओमिक्रोन बहुत तेजी से फैल रहा है। तीन दिन के भीतर 11 राज्यों तक यह पहुंच गया है। कनाडा में भी इसके मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। कनाडा में अब तक ओमिक्रोन के 15 मामले मिल चुके हैं। सरकार पाबंदियां और सख्त करने पर विचार कर रही है। वहीं, नीदरलैंड्स में ओमिक्रोन को रोकने के लिए लगाई गई पाबंदियों के खिलाफ लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। शनिवार को बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे और विरोध प्रदर्शन किया।अमेरिका में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कहा कि शुक्रवार को न्यूजर्सी, मैरीलैंड, मिसुरी, नेबरास्का, पेंसिल्वानिया और उटाह प्रांत में भी ओमिक्रोन के मामले पाए गए। हालांकि, रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने अभी मिसुरी में मिले ओमिक्रोन के मामले की पुष्टि नहीं की है। नेबरास्का में ओमिक्रोन के छह मामलों की पुष्टि हुई है। बुधवार को कैलिफोर्निया में ओमिक्रोन का पहला मामला मिला था। उसके बाद कोलोराडो, हवाई, मिनेसोटा और न्यूयार्क में इसके मामले पाए गए थे। कनाडा के स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि ओमिक्रोन के मामले तेजी से बढ़ने की आशंका है। इसको देखते हुए 50 साल से अधिक उम्र के लोगों को बूस्टर डोज देने पर विचार किया जा रहा है। टीकाकरण पर विशेषज्ञ समिति ने पूर्ण टीकाकरण के छह महीने बाद बूस्टर डोज देने की सिफारिश की है। नीदरलैंड के उटरेच शहर में हजारों लोगों ने कोरोना पाबंदियों के खिलाफ प्रदर्शन किया है। लोग टीकाकरण के लिए सरकार की तरफ से बनाए जा रहे दबाव का विरोध कर रहे हैं। सरकार का कहना है कि लोगों को सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लेना है तो टीका लगवाना ही पड़ेगा।

राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा- यूरोपीय देश कर रहे अफगानिस्तान में संयुक्त मिशन पर विचार

वाशिंगटन। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सऊदी अरब जाने से पहले दोहा में कहा कि कई यूरोपीय देश अफगानिस्तान के लिए एक संयुक्त दूतावास खोलने पर विचार कर रहे हैं, ताकि तालिबान से संवाद और संपर्क कायम किया जा सके। वहीं, मान्यता के मसले पर मैक्रों ने कहा कि तालिबान के साथ सुरक्षा मुद्दों पर बात करने के लिए रास्ते तलाशना और तालिबान को राजनीतिक मान्यता देना दोनों पूरी तरह अलग-अलग मसले हैं। इस दौरान यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल कहा कि काबुल में उनकी न्यूनतम उपस्थिति से तालिबान को मान्यता नहीं मिलेगी।

फ्रांस ने तीन सौ लोगों को निकाला...

फ्रांस ने बताया कि उसने कतर की मदद से अफगानिस्तान से 300 से अधिक लोगों को बाहर निकाला, जिनमें 258 अफगान लोग हैं।

समस्याओं से घिरे अफगानिस्तान में खलने लगी भारत की कमी, हर मोर्चे पर मिलती रही मदद

काबुल। मानवीय समस्याओं का सामना कर रहे अफगानिस्तान की सत्ता में काबिज तालिबान के लिए भारत से दूरी नुकसानदेह साबित हो रही है। विश्लेषकों का मानना है कि अफगानिस्तान के विकास में भारत की कमी साफ दिखने लगी है। पिछले दो दशकों में भारत ने सेना से लेकर शिक्षा तक, हर क्षेत्र में अफगानिस्तान की बड़ी मदद की है।

भारत ने की है अनाज से लेकिर हथियार तक की आपूर्ति

एशियन लाइट समाचार पत्र के अनुसार, भारत ने अफगानिस्तानी वायुसेना को वर्ष 2015 में चार एमआइ-25 लड़ाकू हेलीकाप्टरों की आपूर्ति की थी व आर्मी को 285 वाहन दिए थे। वर्ष 2009 में जब अफगानिस्तान में अनाज संकट पैदा हो गया था, तब भारत ने 2.5 लाख टन गेहूं उपलब्ध कराया था। भारत ने काबुल स्थित इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट आफ चाइल्ड हेल्थ का पुनर्निर्माण कराया था।

नागर विमानन क्षमता के विकास में भी रहा है भारत का योगदान

रिपोर्ट के मुताबिक, अफगानिस्तान की नागर विमानन क्षमता में विस्तार के लिए भारत ने उसे तीन एयरबस विमान व जरूरी पुर्जे प्रदान किए थे। कर्मचारियों को प्रशिक्षण भी दिया था। भारत ने वर्ष 2005 में देश के 11 प्रांतों में संचार व्यवस्था बहाल करने व डिजिटल टेलीफोन एक्सचेंज तथा पावर हाउस की स्थापना में भी बड़ी मदद की। वर्ष 2001 के आखिर में 400 बसें उपलब्ध कराईं। हबीबिया स्कूल, काबुल के पुनर्निर्माण में मदद की और हर साल 500 अफगानी विद्यार्थियों के लिए दीर्घकालिक छात्रवृत्ति की व्यवस्था की।

बता दें कि भारत से अफगानिस्तान को मदद के तौर पर पांच लाख क्विंटल गेहूं और जीवनरक्षक दवाएं भेजने के लिए मार्ग देने की मजबूरी में घोषणा करने वाला पाकिस्तान अब आपूर्ति में अड़ंगे लगा रहा है। प्रधानमंत्री इमरान खान द्वारा मार्ग देने की घोषणा करने और भारत सरकार को इस बाबत जानकारी देने के बाद पाकिस्तान सरकार ने शर्त रख दी है कि वाघा (अटारी) सीमा मार्ग से होकर जाने वाला माल पाकिस्तान की सीमा से लेकर अफगानिस्तान तक पाकिस्तानी ट्रकों में जाएगा।

इंडोनेशिया में 6 तीव्रता के साथ आया भूकंप, नुकसान की कोई सूचना नहीं

जकार्ता। इंडोनेशिया में 6 तीव्रता के साथ भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। हालांकि, अभी तक इन झटकों में किसी भी प्रकार के नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है। टोबेलो से 259 किमी की दूरी पर उत्तर दिशा की ओर आज सुबह भूकंप के तेज झटके यहां पर महसूस किए गए। अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे से मिली जानकारी के अनुसार, रिक्टर पैमाने पर इस भूकंप की तीव्रता 6.0 दर्ज की गई है। बता दें कि भूकंप के अलावा इंडोनेशिया के जावा द्वीप के सेमेरू ज्वालामुखी में विस्फोट के बाद वहां फंसे दस लोगों को निकाल लिया गया है। यह जानकारी देश के आपदा प्रबंधन एजेंसी ने दी। बताया जा रहा है कि इस विस्फोट में अभी तक 13 लोगों की जान जा चुकी है और दर्जनों जख्मी हैं। पिछले कुछ दिनों से इस ज्वालामुखी से राख और धुआं निकल रहा था। ज्वालामुखी से निकले राख और धूल की परत इतनी मोटी है कि पूरे जावा द्वीप पर दिन में ही रात जैसा नजारा दिखने लगा। इस क्षेत्र में आपरेट

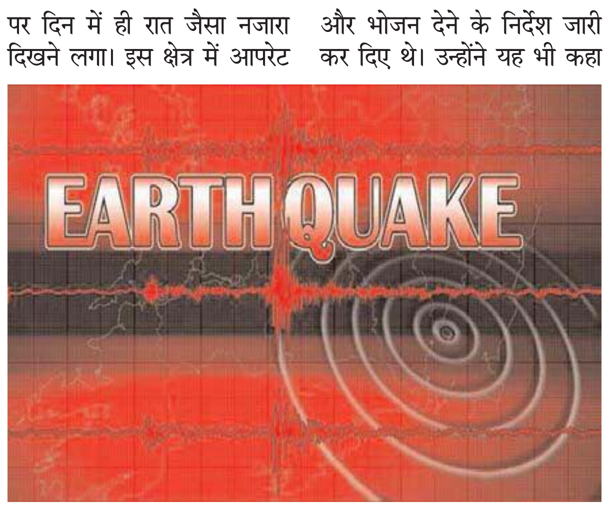

होने वाली विमानन कंपनियों ने पायलटों को निर्देश भी जारी कर दिए हैं। ज्वालामुखी के फटने के तुरंत बाद पूर्वी जावा प्रांत की आपदा प्रबंधन एजेंसी सक्रिय हो गई थी। एजेंसी के प्रमुख बुडी सैंटोसा ने कहा था कि उनकी टीम अब ज्वालामुखी के पास के क्षेत्र में निकासी करने की कोशिश में जुटी है। सरकार ने विस्फोट से विस्थापित लोगों के लिए आवास और भोजन देने के निर्देश जारी कर दिए थे। उन्होंने यह भी कहा था कि पूर्वी जावा प्रांत के दो जिले इस घटना से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इन जिलों पर विशेष रूप से ध्यान दिया जा रहा है। बता दें कि विस्फोट के कारण निकले घने धुएं के गुबार से लोगों को निकालने के प्रयास में काफी बाधा आई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कुछ लोग ऐसे क्षेत्रों में फंसे हुए थे जहां बचावकर्मियों का पहुंचना काफी कठिन था।

अमेरिका में बढ़ा ओमिक्रोन वैरिएंट का खतरा, न्यूयार्क में बढ़ रहे मरीज, सरकार की भी चिंता बढ़ी

वाशिंगटन। कोरोना वायरस के नए ओमिक्रोन वैरिएंट ने दुनिया में तेजी से अपने पैर पसारने शुरू कर दिए हैं। अमेरिका में नए वैरिएंट का खतरा बढ़ गया है। न्यूयार्क में कोविड-19 के ओमिक्रोन वैरिएंट से जुड़े तीन नए मामले सामने आए हैं। बता दें कि कोरोना वायरस का नया वैरिएंट न्यूयार्क में तेजी से फैल रहा है। एक अखबार में राज्य के स्वास्थ्य आयुक्त मैरी बैसेट के हवाले से लिखा है कि ओमिक्रॉन संस्करण यहां आ गया है, और जैसा कि अनुमान है कि हम इसके सामुदायिक प्रसार की शुरुआत देख रहे हैं।' यकीनन तेजी से बढ़ रहे कोविड-19 के नए वैरिएंट के मामले चिंता का विषय है।

अधिकारियों ने की पुष्टि

देश के अलग-अलग राज्यों से कोविड-19 के नए वैरिएंट के मामलों की संख्या बढ़ रही है। पहले न्यू जर्सी, पेंसिल्वेनिया, जॉर्जियाऔर मैरीलैंड के अधिकारियों ने अपने यहां पर इस वैरिएंट के मिलने की पुष्टि की थी। इसके बाद नेब्रास्का, मिनेसोटा, कैलिफोर्निया, हवाई, कोलोराडो और यूटा में भी नए ओमिक्रोन वेरिएंट के मामले सामने आए हैं। न्यूयार्क शहर में ही इसके करीब सात मामले सामने आए हैं। आपको बता दें कि इससे पहले

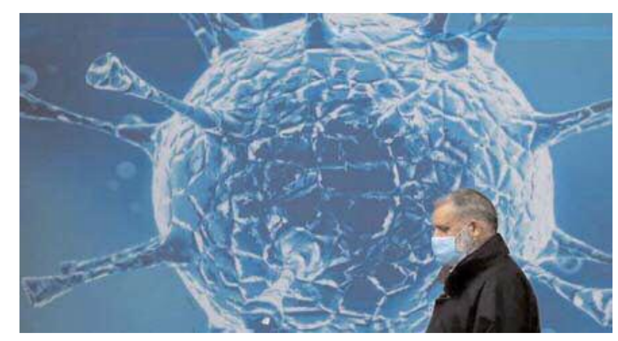

भी कोरोना वायरस का प्रकोप न्यूयार्क में बरस चुका है और यह दूसरी बार है जब नए वैरिएंट का खतरा न्यूयार्क से ही शुरू हो रहा है।

तेजी से बढ़ रहे हैं कोरोना वायरस के मामले

न्यूयार्क में पहले से ही कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, ऐसे में ओमिक्रोन वैरिएंट के मामलों का सामने आना राज्य को बड़े संकट में डाल सकता है। पिछले 30 दिनों में राज्य भर में कोविड-19 के परीक्षण की संख्या दुगनी हो गई है, जिसमें डेल्टा वैरिएंट के ढेर सारे मामले दर्ज किए गए हैं। गवर्नर कैथी होचुल ने हाल के दिनों में स्वास्थ्य विभाग को अस्पतालों में गैर-जरूरी, गैर-अत्यावश्यक प्रक्रियाओं को सीमित करने के लिए कहा है। होचुल ने बताया कि नए वैरिएंट के ज्ञात मामलों में से मिनेसोटा का एक व्यक्ति शामिल था जो नवंबर में न्यूयार्क शहर में तीन दिवसीय एनीमे उत्सव में भाग लेने वाले 50 हजार लोगों में शामिल था। वहीं एक महिला जो दक्षिण अफ्रीका से यात्रा कर कर आई थी।

मिशिगन में गोलीबारी की घटना के बाद कांग्रेसी नेता ने बदूंक के साथ साझा की तस्वीर

वाशिंगटन। अमेरिका में खुलेआम बंदूकों का खेल चल रहा है। बीते दिनों 15 साल के एक बच्चे ने स्कूल में फायरिंग कर चार लोगों की जान ले ली थी। इसके एक कुछ ही बाद वहां के एक कांग्रेसी नेता ने अपने सोशल मीडिया पर बंदुक के साथ तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में उनके साथ कई और सदस्य हैं, जिनके हाथों में बंदूक है। जी हां, केंटकी के अमेरिकी प्रतिनिधि थॉमस मैसी ने ट्विटर पर फोटो पोस्ट करते हुए लिखा, 'मैरी क्रिसमस! पीएस सांता, कृपया बारूद लाओ।'

मैसी, रिपब्लिकन जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी और छह अन्य लोगों की तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में लोगों के हाथों में एक M60 मशीन गन, AR-15 सेमी-ऑटोमैटिक राइफल और एक थॉम्पसन सबमशीन गन जैसे बंदुक शामिल थे। अमेरिकी कानून के तहत मशीनगन जैसे हथियार सेना, कानून प्रवर्तन और

नागरिकों के लिए प्रतिबंधित हैं, जिन्होंने मई 1986 से पहले बनाए गए हथियारों के लिए विशेष लाइसेंस प्राप्त किया है। हालांकि, इन सभी के हाथों में जो बंदूकें हैं, वे असली हैं या नकली, यह पता नहीं चल सका है। इस मामले में मैसी के कैंपेन मैनेजर जोनाथन वैन नॉर्मन ने तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उधर, यूएस हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव बजट कमेटी की अध्यक्षता करने वाले डेमोक्रेटिक अमेरिकी प्रतिनिधि जॉन यारमुथ ने कांग्रेसी नेता के इस हरकत की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि केंटकी में हर कोई मैसी की तरह असंवेदनशील नहीं है।

गौतरलब है कि बीते दिनों मंगलवार को मिशिगन में 15 साल के एक हाई स्कूल के छात्र ने अपने स्कूल में अचानक गोलियां चला दीं, जिसमें चार छात्र मारे गए। इसके अलावा एक शिक्षक और छह अन्य घायल हो गए थे। इसके बाद अमेरिका में बंदूक के अधिकार और स्कूल में सुरक्षा को लेकर कई सारे सवाल उठने लगे हैं।

बेल्जियम के एंटवर्प जू में दो हिप्पो मिले कोविड पॉजिटिव

बेल्जियम। बेल्जियम के एंटवर्प जू में दो हिप्पो कोविड पॉजिटिव मिले हैं। जू के कर्मचारियों ने बताया कि 14 साल के हिप्पो इमानी और 41 वर्षीय हर्मियन में नाक बहने के अलावा और कोई लक्षण नहीं है, हालांकि, एहतियात के तौर दोनों को क्वारंटीन में रखा गया है।बेल्जियम के एंटवर्प जू के पशु चिकित्सक फ्रांसिस वर्कैममेन ने कहा कि दुनियाभर में इस वायरस से वानरों और बिल्लियों के संक्रमित होने की जानाकारी तो पहले भी मिली है, लेकिन उनकी जानकारी में इस प्रजाति में कोविड संक्रमण का दुनिया में यह पहला मामला है। माना जाता है कि कोविड संक्रमण जानवरों से इंसानों में फैला, लेकिन अब लग रहा है, यह इंसानों से जानवरों में भी फैल रहा है। जू प्रशासन फिलहाल संक्रमण के कारणों का पता लगा रहा है। बीते दिनों जू का कोई भी कर्मचारी कोविड से संक्रमित नहीं हुआ है। मैक्सिकन आव्रजन अधिकारियों ने बताया कि देश के मध्य भाग में उन्हें 210 अप्रवासी एक ट्रक में बंद मिले हैं। ट्रक को शुक्रवार रात पुएब्ला राज्य में एक सुरक्षा चौकी पर रोका गया, लेकिन ट्रक नहीं रुका तो उसका पीछा किया गया और टेकामाचल्को शहर में पकड़ लिया गया। जब ट्रक के कार्गो एरिया की जांच की गई तो वहां बच्चे और महिलाओं सहित 210 लोग मिले जो मेक्सिकन नहीं थे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक बलों को सोमालिया के तट पर समुद्री डकैती से लड़ने के लिए अपने अभियान जारी रखने की अनुमति दी है।

अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडन और पुतिन मंगलवार को वर्चुअली करेंगे बातचीत- व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अपने रूसी समकक्ष ब्लादीमिर पुतिन के साथ मंगलवार को वीडियो काल के जरिए बातचीत करेंगे। दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच अमेरिका-रूस संबंधों समेत साइबर, रणनीतिक स्थिरता और क्षेत्रीय मुद्दों के साथ अनेकों विषय पर चर्चा होगी। पुतिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशकोव ने पहले ही इस आनलाइन वार्ता का संकेत दिया था उन्होंने निश्चित तारीख नहीं बताई थी। उन्होंने कहा था कि तैयारियां हो चुकी हैं, राष्ट्रपति पुतिन व उनके अमेरिकी समकक्ष बाइडन के बीच अगले हफ्ते वार्ता हो सकती है। साथ ही अगले हफ्ते बाइडन व यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच भी वार्ता प्रस्तावित है

पुतिन के लिए कठिन होगा यूक्रेन पर हमला करना- बाइडन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने शुक्रवार को कहा कि वह एक व्यापक पहल पर काम कर रहे हैं, जिससे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए यूक्रेन पर हमला करना बहुत कठिन हो जाएगा। बाइडन ने संवाददाताओं से कहा, 'यूक्रेन के मुद्दे पर हम सभी को एकसाथ ला रहे हैं और मुझे लगता है

कि यह पुतिन को कदम बढ़ाने से रोकने के लिए व्यापक पहल होगी। रूसी राष्ट्रपति के लिए यूक्रेन पर हमला करना बेहद कठिन हो जाएगा। यूक्रेन को उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में शामिल नहीं होने देने संबंधी शर्त पर बाइडन ने कहा, मैं रूस की लक्ष्मण रेखा (रेड लाइन) जैसी कोई शर्त स्वीकार नहीं करता।

अमेरिका में बढ़ा ओमिक्रोन का खतरा, नए वैरिएंट के आठ मामले आए सामने

न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार, अमेरिकी खुफिया एजेंसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि रूस, यूक्रेन पर हमले की योजना बना रहा है। हमले की शुरुआत अगले साल के प्रारंभ में हो सकती है। इस तरह की रिपोर्ट मिलने के बाद बाइडन प्रशासन सतर्क हो गया है। बाइडन प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया, खुफिया एजेंसी का आकलन है कि रूस, यूक्रेन की सीमा पर 1.75 लाख सैनिकों की तैनाती करने जा रहा है। इनमें आधे को तैनात भी किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि रूस हथियारों और आधुनिक सैन्य उपकरणों के साथ 100 बटालियन को सीमा पर उतारना चाह रहा है। हमले से पहले रूस इंटरनेट मीडिया के जरिये यूक्रेन व नाटो को बदनाम करने का भी प्रयास कर रहा है। खुफिया विभाग की यह रिपोर्ट सबसे पहले वाशिंगटन पोस्ट को मिली थी। यूक्रेन के रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेजनीकोव ने सांसदों को बताया कि रूस ने अपने कब्जे वाले क्रीमिया व यूक्रेन की सीमा में 94 हजार सैनिक जुटा रखे हैं। उन्होंने भी आशंका जताई कि रूस जनवरी में हमला कर सकता है।

दूसरी तरफ, रूस ने अमेरिकी खुफिया विभाग के हवाले से प्रकाशित यूक्रेन पर हमले की तैयारी संबंधी मीडिया रिपोर्ट को खारिज कर दिया है। उसने कहा है कि गलत आरोप लगाकर अमेरिका स्थितियों को बिगाड़ना चाहता है।

अफगानिस्तान से सेना हटाने को लेकर आगबबूला हुए ट्रंप, अमेरिकी टॉप जनरल को कहे अपशब्द

वाशिंगटन। अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना हटाए जाने को लेकर एक बार फिर से अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक सभा को संबोधित करते हुए अपनी भड़ास निकाली।

ट्रंप इतने क्रोधित हो गए कि वे अमेरिकी सेना के 'ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ' जनरल मिले को अपशब्द कहते हुए एक नंबर का बेवकूफ बता दिया। ट्रंप ने कहा कि जनरल मिले ने मुझे कहा कि अमेरिकी हथियार को हमने अफगानिस्तान में ही छोड़ दिया इसके बाद ही मुझे एहसास

हुआ कि वह सबसे बड़ा बेवकूफ है।

ट्रंप वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन की कर चुके हैं आलोचना

ट्रंप अफगानिस्तान के हालात को लेकर वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन की कड़ी आलोचना कर चुके हैं। ट्रंप ने लोगों से पूछा था कि वे अब भी उन्हें याद करते हैं। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के बाद से ही तालिबान ने कहर बरपाया हुआ है। तालिबानी कब्जे के बाद ट्रंप ने कहा था कि काबुल का पतन अमेरिकी इतिहास में बड़ी हार के तौर पर दर्ज होगा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि, जो बाइडन ने अफगानिस्तान के साथ जो किया है वो महान है। यह एक बड़ी हार के तौर पर अमेरिका के इतिहास में दर्ज होगा।

जनरल मार्क मिले ने 20 वर्ष की जंग को 'रणनीतिक नाकामी' बताया था: अफगानिस्तान से सैन्य वापसी पर अमेरिकी संसद (कांग्रेस) में पहली गवाही के दौरान शीर्ष सैन्य अधिकारी जनरल मार्क मिले ने 20 वर्ष की जंग को 'रणनीतिक नाकामी' बताया है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे को रोकने के लिए अमेरिका को कुछ हजार सैनिक ही वहां तैनात रखने चाहिए थे।

सत्ता पर काबिज होने के बाद से और भी क्रूर होता जा रहा तालिबान, पश्चिमी देशों ने दी कड़ी चेतावनी

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबानी शासन आने के बाद से हालात बिगड़ते ही जा रहे हैं। लोगों में जहां दहशत का माहौल है, वहीं ह्यूमन राइट्स वॉच ने जो अपनी रिपोर्ट में खुलासा किया है वह बेहद चौकाने वाला है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि तालिबानी लड़ाकों ने अफगानिस्तान में सत्ता में आने के बाद से 100 से अधिक पूर्व पुलिस और खुफिया अधिकारियों को या तो मार डाला है या जबरन गायब कर दिया है। वहीं अब इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद पश्चिमी देशों ने तालिबान को कड़ी चेतावनी दी है। अमेरिका, यूरोपीय संघ, कनाडा और ब्रिटेन सहित पश्चिमी देशों ने कहा कि वे लगातार तालिबान के कार्यों का मूल्यांकन जारी रखेंगे। पश्चिमी देशों ने कहा कि तालिबान की कथित कार्रवाई मानवाधिकार का गंभीर हनन है। इसकी जल्द से जल्द जांच होनी चाहिए। पश्चिमी देशों ने कहा कि तालिबान को मानवाधिकार संगठन की इस रिपोर्ट पर जल्द से जल्द स्पष्टीकरण देना चाहिए। पश्चिमी देशों का यह बयान ह्यूमन राइट्स वॉच की 25 पेज की रिपोर्ट जारी करने के कुछ दिनों बाद आया है।पश्चिमी देशों ने कहा कि रिपोर्ट किए गए मामलों की तुरंत और पारदर्शी तरीके से जांच की जानी चाहिए, जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। पश्चिमी देशों ने कहा कि तालिबान पूर्व सैन्य अधिकारियों की हत्या पर तुरंत रोक लगाए नहीं तो हम कार्रवाई करने के लिए मजबूर होंगे। हमलोग तालिबान की हर कार्रवाई का मूल्यांकन कर रहे हैं। बयान जारी करने वाले देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, कनाडा, डेनमार्क, यूरोपीय संघ, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, जापान, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, उत्तरी मैसेडोनिया, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्पेन, स्वीडन, स्विट्ज़रलैंड, यूनाइटेड किंगडम और यूक्रेन शामिल हैं।

महाप्रबंधक उत्तर रेलवे ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर को श्रद्धांजलि दी

■ नई दिल्ली

भारतीय संविधान के महान वास्तुकार एवम निर्माता, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 65वीं पुण्यतिथि, महापरिनिर्वाण दिवस पर आशुतोष गंगल, महाप्रबंधक उत्तर रेलवे ने सोमवार को प्रधान कार्यालय बडौदा हाउस, नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में बाबा साहेब को श्रृद्धा सुमन अपिर्त कर श्रृद्धांजलि दी। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित रेल अधिकारियों व कर्मियों ने दो मिनट का मौन रखकर बाबा साहेब का स्मरण किया तथा उन्हें श्रृद्धांजलि दी। इस अवसर पर गंगल ने अपने संबोधन में बाबा साहेब के जीवन और कार्यों से सीख लेकर प्रत्येक कर्मी को अपने अच्छे आचरण से सबकी सेवा करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि बाबा साहेब जीवन भर अधिकार और समानता के लिए समर्पित रहे। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर उपस्थित अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारियों व कर्मचारियों ने भी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को श्रृद्धा सुमन अर्पित कर अपनी श्रृद्धांजलि दी।

पुनीत सागर अभियान के तहत एनसीसी के 30 हजार कैडेटों ने समुद्र तटों की सफाई की

नई दिल्ली। पुनीत सागर अभियान के तहत राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के लगभग 30 हजार कैडेटों ने समुद्र तटों की सफाई की। रक्षा मंत्रालय की ओर से सोमवार को यह जानकारी दी गई। मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, महीने भर चलने वाले पुनीत सागर अभियान का लक्ष्य, स्थानीय लोगों और भावी पीढ़ी को तटों की सफाई की जरूरत के प्रति जागरूकता का संदेश देना है। इस अभियान की शुरुआत एक दिसंबर को हुई थी।

विश्वग्राम, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच, और राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच संयुक्त रूप से एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

नई दिल्ली। विश्वग्राम, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच, और राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच संयुक्त रूप से एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 11 दिसंबर 2021 को प्रातः 9 बजे से शाम 6 बजे के बीच इंडिया हैबिटैट सेण्टर के स्टेन ऑडिटोरियम (लोधी रोड, नयी दिल्ली) में कर रहे हैं ।

इस सम्मेलन का शीर्षक है वैश्विक आतंकवाद बनाम मानवीयता, शांति एवं संभावनाएं ÷कट्टरवाद~ एक विभाजन रेखा (समग्र किन्तु केन्द्रित विषय अफ़ग़ानिस्तान) और उसके संरक्षक हैं डॉ. इंद्रेश कुमार (राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ), श्री आरिफ़ मोहम्मद खान (माननीय राज्यपाल, केरल), स्वामी चिदानंद सरस्वती (परमार्थ निकेतन), और दीवान सय्यद ज़ैनुल आबेदीन अली खान (आध्यात्मिक प्रमुख, अजमेर शरीफ दरगाह) । इस सम्मेलन के संयोजक मंडल में प्रो. गीता सिंह, प्रो. आर.बी. सोलंकी, प्रो. अशोक सज्जनहार, श्री नागेंद्र चौधरी, श्री मोहम्मद अफ़ज़ल, प्रो. शहीद अख्तर, प्रो. संजीव कुमार एच.एम., प्रो. एम. महताब आलम रिज़वी, श्री प्रवेश खन्ना, और श्री विक्रमादित्य सिंह शामिल हैं । प्रख्यात विश्वविद्यालय और शैक्षिणक संस्थान, जैसे अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, जामिया हमदर्द, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, और केंद्रीय विश्वविद्यालय कश्मीर इस कार्यक्रम के साथ जुड़े हैं ।

इस सिलसिले में मीडिया से संवाद के लिए एक प्रेस सम्मेलन का आयोजन 6 दिसंबर 2021 को कंस्टीट्यूशन क्लब नई दिल्ली में दोपहर 2~30 बजे किया गया । संवाददाताओं को संबोधित करते हुए डॉ. इंद्रेश कुमार जी ने यह राय दी कि, ÷विश्व आज भी आतंकवाद, हिंसा, व कट्टरवाद की गंभीर समस्याओं से घिरा है । इन्हीं कारणों से अब भी हमें ऐसे दमनकारी शासक व असहिष्णु समाज पनपते दिख जाते हैं जो अपने ही लोगों का धार्मिक कट्टरवाद के नाम पर शोषण करते हैं । अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान ऐसी परिस्थितियों का नवीनतम उदाहरण बनकर उभरा है, जो वैश्विक आतंकवाद द्वारा हमारे अस्तित्व को दी जा रही भयावह चुनौती की एक अभिव्यक्ति है । इस चुनौती का सामना करने का एक उपाय यह है कि वैश्विक आतंकवाद के विरूद्ध आध्यात्मिक मूल्यों को हम अपना उपकरण बनाएं । भारत, जो कि अनेक धर्मों की भूमि है, जिसकी संस्कृति, सहिष्णु व समावेशी है, और जिसका समाज अपने अनेकों त्योहारों को गर्व से मनाता है, इस सन्दर्भ में मार्गदर्शक बन सकता है । अनेक संस्कृतियों को अपने में समेट लेने वाली भूमि के रूप में भारत की अवधारणा विश्व के लिए समावेशी समाज गढ़ने का एक उपयुक्त आदर्श बन सकती है । ÷

संवाददाताओं से वार्तालाप करते हुए प्रो. गीता सिंह, जो सेण्टर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन की निर्देशक, विश्वग्राम की अध्यक्ष, तथा इस सम्मलेन के संयोजक मंडल की सदस्या हैं, ने कहा, जब तालिबान ने अफ़ग़ानिस्तान पर कब्ज़ा किया, तो वहाँ की आतंकित महिलाएं बुरक़ों की खरीद में जुट गईं, यह भली-भाँती समझते हुए कि उन्हें और उनकी आकांक्षाओं को तालिबान अपनी रुढ़िवादी ज़ंजीरों में जकड़ने वाला है । मानवता के आधे अंश को कट्टरपंथी आतंकवाद से जो विशाल खतरा है, उसे समझने के लिए हाल ही में आइसिस द्वारा महिलाओं पर किये गए जघन्य शारीरिक, मानसिक, व सामाजिक ज़ुल्मों को याद करना ही पर्याप्त होगा÷

÷यह एक विडम्बना है कि लाखों मुसलामानों का घर, अनेक संस्कृतियों का संगम है, व एशिया की अर्थव्यवस्था का एक इंजन होने के बावजूद दक्षिण एशिया आज भी इस्लामी कट्टरपंथियों व उनकी आतंकी गतिविधियों के प्रति अनुकूल है । तालिबान से हुजी, जैश-ए - मोहम्मद से इंडियन मुजाहिदीन तक, विश्व के कई खूंखार व बर्बर जिहादी संगठन यहां आम मुसलामानों के सामाजिक व आर्थिक संघर्षों, और उनकी असुरक्षा की भावना का फायदा उठा कर पनप रहे हैं । यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसे कई जिहादियों का जन्म भारत के एक पड़ोसी मुल्क से ही होता रहा हैं, जिन पर नियंत्रण पाना हमेशा ही नयी दिल्ली की विशेष प्राथमिकता रही है।÷

तदनुसार, प्रस्तावित सम्मेलन की संकल्पना इस बात को रेखांकित करती है कि अफ़ग़ानिस्तान जनित सुरक्षा चुनौतियां भारत की ओर आ सकती हैं, विशेषतः पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर के ज़रिये । ऐसी नाज़ुक स्थिति में यह अनिवार्य हो जाता है कि हमारे प्रबुद्ध बुद्धिजीवी संयुक्त रूप से शान्ति कायम रखने के लिए उपयुक्त समाधानों व संभावनाओं की चर्चा करें । इस सन्दर्भ में, सम्मेलन कि संकल्पना एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी उठाती है~ क्या समृद्धि की संभावनाओं से आतंकवाद की सोच का जड़ से प्रतिरोध किया जा सकता है? जैसा प्रो. गीता सिंह जी ने उल्लेख किया, ÷भारत वो व्यापक सभ्यता है जो कैलाश से कन्याकुमारी के बीच की समस्त भूमि को बाँध कर रखता है, और वह विश्व को दो मुख्य संदेश देता है~ पहला, सनातन धर्म का तथा दूसरा, वसुधैव कुटुम्बकम का । इन दोनों शाश्वत आदर्शों को एक ही अवधारणा के ज़रिये कुछ इस प्रकार से जोड़ा जा सकता हैः सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद्दुःखभाग्भवेत्। ? शान्तिः शान्तिः शान्तिः, जो वैश्विक शान्ति व समृद्धि बनाये रखने की ईश्वर से एक प्रार्थना है । ऐसे आदर्शों के रहते क्या वैश्विक आतंकवाद पर विकास के ज़रिये अंकुश लगाने के प्रयासों का मार्गदर्शन माँ भारती नहीं कर सकती हैं?

वैश्विक आतंकवाद संबंधी ऐसे ही कुछ प्रश्नों पर कारगर चर्चाओं के लिए यह सम्मेलन विद्वानों व विशेषज्ञों को एक मंच पर ला रहा है । इन चर्चाओं के प्रमुख केंद्र-बिंदु होंगे~

वैश्विक आतंकवाद के संदर्भ में कट्टरवाद की विभाजन रेखा

उभरते आतंकवाद से मानव अधिकार के संकट

वर्तमान अफ़ग़ानिस्तान संकट में वैश्विक संस्थाओं और प्रमुख शक्तियों की भूमिका

मानवीय मूल्य, शान्ति एवं सुरक्षा के मुद्दे

भविष्य के लिए द्रष्टिकोण : आतंकवाद पर अंकुश लगाने के लिए संयुक्त प्रयास।

भाजपा महरौली मंडल की कार्यकारिणी बैठक संपन्न

■ नई दिल्ली

नई दिल्ली। भाजपा दिल्ली प्रदेश के जिला महरौली के अंतर्गत आने वाले महरौली मंडल की कार्यकारिणी बैठक सोमवार को महरौली मंडल अध्यक्ष राहुल ढाका की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यकारिणी में मुख्य वक्ता भाजपा जिला महरौली, प्रवक्ता अवधेश उपाध्याय ने मण्डल के कार्यकर्ताओं को संगठन का महत्तव बताते हुए कहा भारतीय जनता पार्टी कोई पार्टी नही बल्कि एक परिवार है और सभी कार्यकर्ता उस परिवार के सदस्य है सभी को मिलजुलकर संगठन के लिए कार्य करना चाहिए तभी हम और हमारा संगठन मजबूत होगा। अवधेश उपाध्याय ने दिल्ली सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा दिल्ली में एक बहरूपिया की सरकार है जो झूठे वादे और आरोप प्रत्यारोप की राजनीति का चैंपियन हैं। दिल्ली सरकार ने अभी तक के कार्यकाल में एक भी नया स्कूल नहीं खोला लेकिन शराब के ठेके हर नुक्कड़ पर खोल रहे है ताकि दिल्ली के युवाओं को शिक्षित होने की बजाय नशेड़ी बन सके।

दक्षिणी निगम के हर वार्ड में खुलेंगे एक इंग्लिश माध्यम विद्यालय

नई दिल्ली। दक्षिणी निगम शिक्षा के क्षेत्र में नई क्रांति लाया है जबकि दिल्ली सरकार द्वारा निगम को दिए जाने वाले शिक्षा के बजट में 24 से 26 प्रतिशत कटौती गई फिर भी निगम विद्यालयों मे शिक्षा के स्तर में निरंतर सुधार हुआ है। यह बात दक्षिणी निगम के महापौर मुकेश सुर्यान और शिक्षा समिति की अध्यक्षा नीतिका शर्मा ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कही।

मारवाड़ी युवा मंच पूर्वी दिल्ली शाखा द्वारा इस सत्र का 6th विशाल रक्तदान शिविर

नई दिल्ली । मारवाड़ी युवा मंच पूर्वी दिल्ली शाखा द्वारा कल दिनांक 4 दिसम्बर को इस सत्र का 6th विशाल रक्तदान शिविर SSS गद्दी प्रताप गली गांधी नगर में लगाया गया।

रक्तदान शिविर GTB हॉस्पिटल के सानिध्य में लगाया गया। इस शानदार जानदार विशाल रक्तदान शिविर में 303 रजिस्ट्रेशन के साथ 238 यूनिट रक्त डोनेट हुए।

कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्षों मे श्री श्याम जी सोनी,श्री विमल जी गुनेचा, श्री प्रेम जी लुनावत, श्री रमेश जी सोलंकी, श्री महेंद्र जी बैद, श्री सुजीत जी सोनी, श्री महेंद्र जी सुराणा, व निवर्तमान अध्यक्ष श्री मनीष जी डागा की शानदार उपस्थिति रही इसी के साथ दिल्ली प्रांत के अध्यक्ष श्री निकुंज जी गुप्ता की गरिमामय उपस्थिति रही व रामनगर मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री गोयल चाचाजी व प्रमुख समाजसेवी श्री बसंत लाल जी गोयल, व शाखा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री विनोद जी मूंधड़ा, श्री आलोक जी गोयल,श्री उत्तम जी दाधिच की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम को जबरदस्त सफल बनाने में शाखा अध्यक्ष युवा ताराचंद लुनावत के साथ उपस्थित पूरी टीम की मेहनत रंग लाई। शिविर की शानदार सफलता में श्री राजेश जी सरावगी,(SSS) की मेहनत ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए मंच परिवार आपका हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

इस अद्भुत जानदार शानदार कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम संयोजक युवा हेमंत चांडक,युवा अभिषेक तोदी व उपस्थित पूरी कार्यकारिणी टीम को बहुत बहुत बधाई?

मथुरा काशी से मस्जिदे स्वयं हटा ले मुस्लमान वरन् नष्ट मंदिरों की लंबी सूची पर आंदोलन करने से नहीं हटेंगे पीछे : गोयल

नई दिल्ली । देश में साम्प्रदायिक सद्भाव उत्पन्न करने के लिए मुस्लिम समुदाय को स्वयं ही आगे आकर मथुरा और काशी विश्वनाथ मंदिरों के साथ जबरी बनाई गई अवैध मस्जिदों को वहां से हटा लेना चाहिए।

तथाकथित बाबरी विध्वंस की 29 वीं वर्षगांठ पर विगत वर्षों की भांति 'विजय दिवस' के रूप में मनाते हुए यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट ने आज जंतर-मंतर पर इस्लामिक आतंकवाद के विरूद्ध जोरदार प्रदर्शन किया और उपरोक्त मांग दोहराई।

फ्रंट के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राष्ट्रवादी शिवसेना प्रमुख श्री जय भगवान गोयल ने इस अवसर पर कहा कि यह ऐतिहासिक तथ्य है कि अत्याचारी मुगल बादशाहों ने हजारों हिन्दू मंदिरो को नष्ट कर दिया अथवा नष्ट करने के प्रयास किए। मुगल बादशाह मिट गए और काल की गोद में समा गए लेकिन भगवान शिव की काशी, श्री राम की अयोध्या और श्री कृष्ण की मथुरा में मंदिरों का शान ज्यों की त्यों बनी हुई है। मुगल शासको ने हिन्दुओं को नीचा दिखाने की घिनौनी नीतियों के तहत प्राचीनतम मंदिरों के साथ जानबूझ कर मस्जिदों को खड़ा कर दिया। वर्तमान मुस्लमान रहनुमाओं को स्वयं आगे आकर काशी और मथुरा से मस्जिदों को अन्यत्र स्थापित कर देना चाहिए। मथुरा स्थित श्री कृष्ण जन्मभूमि के साथ बनी ईदगाह मस्जिद को 84 कोस की परिक्रम से बाहर स्थापित करने पर यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट डेढ़ गुणा जमीन देने की घोषण कोर्ट के माध्यम से पहले ही कर चुका है।

श्री गोयल ने कहा कि दिल्ली समेत अनेक प्रदेशों में मंदिरो को नष्ट करके मस्जिदें बनाने के सबूत प्रस्तुत किए जा चुके हैं। यदि मुस्लिम नेता मथुरा-काशी मंदिरों की भूमि मुक्त नहीं करते तो अनेक स्थानों पर अयोध्या में श्री राम जन्म भूमि मुक्त कराने जैसे आंदोलन होने की संभावनाओ को नकारा नहीं जा सकता।

श्री गोयल ने अनेक संत- महात्माओं के सान्निध्य में मंच पर भगवान श्री कृष्ण को सांकेतिक जलाभिषेक करते हुए चेताया कि देश का जागृत हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए कुछ भी करने को तैयार है।

फ्रंट की ओर से राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन भी प्रस्तुत किया गया जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा 42 वां संविधान संशोधन करके जोड़े गए 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द को पुनः संविधान संशोधन कर हटाने की मांग की गई। साथ ही भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने का आग्रह राष्ट्रपति से किया गया। ज्ञापन में 1990 की कारसेवा के दौरान गोलीबारी का आदेश देने वालो पर मुकद्दमां दर्ज करके गिरफ्तार करने और बलिदान हुए कारसेवको के परिवारों को 5-5 करोड़ रूपए की सहायता देने की मांग की गई। साथ ही मदरसों को आतंकवाद की नर्सरी बताते हुए देश भर के मदरसों को बंद करने तथा घृणा, द्वेष और वैमनस्य फेलाने वाली कुरान की 24 आयतों के पढ़ाने -पढ़ाने पर रोक लगाने की मांगे भी की गई। ज्ञापन की प्रति प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, कानून मंत्री एवं सर्वोच्च न्यायालय के मुख्ध् न्यायधीश को भी सौंपी गई।

प्रदर्शन में अनेक बुद्धिजीवि ,संत-महात्मा, हिन्दू नेता जिनमें धर्मेन्द्र बेदी, अवध कुमार, बालयोगी स्वामी, ललित गोस्वामी, सुरेन्द्र मोहन गुप्ता, लक्ष्मी देवी, सुभाष किराड़ी, रमाकांत शर्मा, सुबोध बिहारी, इन्द्र पाल, श्रीकांत यादव, जय प्रकाश बघेल आदि अपने कार्यकर्ताओं के साथ सम्मिलित हुए।

एफसीआई ने मनाया आजादी का अमृत महोत्सव

■ नई दिल्ली

भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने सोमवार को अपने राजेंद्र प्लेस में स्थित क्षेत्रीय कार्यालय समेत मायापुरी और घेवरा डिपो में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया। उक्त कार्यक्रम में गूंज एनजीओ से रवि कांत द्विवेदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसके अलावा उप-महाप्रबंधक (क्षेत्र) संजय शर्मा और उप-महाप्रबंधक (वित्त) दिल्ली क्षेत्र मनोज कुमार उपस्थित रहे। जबकि मायापुरी में हुए कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एम सी सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, वहीं, सहायक महाप्रबंधक (सिविल) दिल्ली क्षेत्र राहुल वर्मा और मंडल प्रबंधक, मंडल कार्यालय, मायापुरी अमित पंत ने भारी संख्या में मौजूद लोगों को भारतीय खाद्य निगम की उपलब्धियों को विस्तृत रूप से बताया। इसी प्रकार घेवरा डिपो में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. वी एस डबास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, वहीं मंडल प्रबंधक कुरु लाल मीना व घेवरा के अधिकारी देवेन्द्र कुमार, प्रबंधक (डिपो), सतीश कुमार, प्रबंधक (गु,नि) व अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। उधर, क्षेत्रीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रवि कांत द्विवेदी ने अपने भाषण में भारत सरकार और भारतीय खाद्य निगम की कार्यप्रणाली की प्रशंसा की, साथ ही उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जिस तरह से एफसीआई के कर्मचारियों व श्रमिकों ने जोखिम भरे समय में भी दिन-रात मेहनत करके एनएफएसए लाभार्थियों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया वह बहुत ही प्रशंसनीय कार्य रहा है। रवि कांत द्विवेदी ने बताया कि कोरोना काल में एफसीआई, दिल्ली क्षेत्र ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के विभिन्न चरणों में 5.37 एलएमटी खाद्यान्न दिल्ली सरकार को प्राप्त कराया ताकि वह दिल्ली के 72.77 लाख एनएफएसए लाभार्थियों तक उक्त खाद्यान्न पहुंचा सके। बता दें कि उक्त कार्यक्रम में सहायक महाप्रबंधक (वित्त) राकेश कुमार, सहायक महाप्रबंधक (भंडारण) कामता प्रसाद, सहायक महाप्रबंधक (प्रशासन) कामना ज्ञान के अलावा अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

डॉ. आम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिवस

सोशल जस्टिस एंड एम्पावरमेंट रेफ्लेक्शंस फ्रॉम डॉ. आम्बेडकर चेयर्स पुस्तक का विमोचन

■ नई दिल्ली

डॉ. भीम राव आम्बेडकर की 65 वीं पुण्यतिथि पर सोमवार को आज़ादी का अमृत महोत्सव श्रंखला में महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. आम्बेडकर फाउंडेशन ने संसद भवन, डॉ. आम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर के साथ बाबा साहेब से जुड़े पंचतीर्थ स्थलों सहित अंबावड़े, सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, पुणे, अम्बेडकर भवन, अम्बेडकर पार्क आदि स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किये गए। संसद भवन में राष्ट्रपति डॉ. रामनाथ कोविद और प्रधानमंत्री नरेंद्र आदि ने मंत्रियों और विभिन्न मंत्रालयों के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। संसद भवन में बौद्ध भिक्षुओं द्वारा धम्म पूजा पाठ किया गया। डॉ. आम्बेडकर की याद में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के गीत एवं नाटक प्रभाग ने विशेष गीत प्रस्तुत किए। राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री ने बौद्ध भिक्षुओं को सम्मानित करते हुए वस्त्र दान किया। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, डॉ वीरेंद्र कुमार ने डॉ आम्बेडकर राष्ट्रीय स्मारक का दौरा किया और उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि केंद्रिय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार, के साथ गेस्ट ऑफ़ ऑनर आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री कौशल किशोर ने आर सुब्रमण्यम, सुश्री उपमा श्रीवास्तव, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र की महानिदेशक डॉ. नीता वर्मा, यूजीसी अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह ने बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर समारोह का सुभारम्भ किया। डॉ. आम्बेडकर फाउंडेशन ने बाबा साहब से जुड़े पंचतीर्थों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शित की। राज्यमंत्री कौशल किशोर ने कहा, जो लोग बाबा साहब का सम्मान करते हैं, वे लोगों को उनकी जाति और रंग के आधार पर नहीं आंकते। केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने फाउंडेशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक, सोशल जस्टिस एंड एम्पावरमेंट रेफ्लेक्शंस फ्रॉम डॉ. आम्बेडकर चेयर्स का विमोचन किया।

बाबा साहब का अधूरा सपना करेंगे पूरा: केजरीवाल

■ नई दिल्ली

बाबा साहब डॉ. भीम राव अंबेडकर की 65वीं पुण्यतिथि पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उनके जीवन और संघर्षों को एक भव्य नाटक के जरिए जन-जन तक पहुंचाने की बड़ी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब के जीवन और संघर्ष से देश के लोग प्रेरणा ले सकें। इसलिए उनके महान जीवन को एक भव्य संगीतमय नाटक के जरिए दर्शाया जाएगा। केजरीवाल ने कहा कि बाबा साहब का सपना था कि देश के हर बच्चे को, गरीब और दलित बच्चों को भी अच्छी से अच्छी शिक्षा मिले। आज 75 वर्ष बाद भी उनको अच्छी शिक्षा नहीं मिल पाई। इसलिए मैंने कसम खाई है कि बाबा साहब का ये सपना हम पूरा करेंगे। अरविंद केजरीवाल ने बताया कि जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में 5 जनवरी 2022 से बाबा साहब के जीवन पर आधारित भव्य नाटक शुरू होगा और इसके 50 शो कराए जाएंगे। भारत में शायद पहली कोई सरकार है, जो

बाबा साहब के जीवन को बच्चे-बच्चे तक पहुंचाने के लिए इस किस्म का प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं समझता हूं कि बाबा साहब डॉ. अंबेडकर भारत के सबसे बड़े सपूत थे। उन्होंने देश का संविधान बनाया। बाबा साहब डॉ. अंबेडकर ने दुनिया का सबसे बेहतरीन संविधान हमारे देश को दिया। बाबा साहेब पूरे जीवन दलितों और शोषितों के लिए लड़ते रहे, संघर्ष करते रहे। अगर मैं कहूं कि बाबा साहब शायद आज तक के भारत के सबसे अधिक पढ़े-लिखे नागरिक थे, तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। मैं नहीं जानता कि कोई और भारतीय ने इतनी पढ़ाई की हो। बाबा साहेब ने 64 विषयों में मास्टर डिग्री हासिल की थी।

बाबा साहब के संघर्षों को बच्चे-बच्चे तक पहुंचाएगी सरकार: सीएम

केजरीवाल ने बताया कि जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में 5 जनवरी से बाबा साहब के जीवन पर आधारित भव्य नाटक के लिए स्टेडियम में 100 फुट का स्टेज बनाया गया है। नाटक के 50 शो कराए जाएंगे। इसे देखने के लिए कोई भी आ सकता है, जनता के लिए बिल्कुल फ्री होगा। इसका प्रोडक्शन अंतरराष्ट्रीय स्तर का है। शायद भारत देश में पहली कोई सरकार है, जो बाबा साहब अंबेडकर के जीवन को बच्चे-बच्चे तक पहुंचाने के लिए इस किस्म का प्रयास कर रही है।

बाबा साहब ने पूरी दुनिया में भारत का नाम रौशन किया: केजरीवाल

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन दिनों में उन्होंने विदेशों में दो डॉक्टरेट डिग्री ली थी। आज की तारीख में कोई बच्चा विदेश पढ़ने जाना चाहता है, तो विदेश में पढ़ने जाना कितना मुश्किल है। उन दिनों में ऐसा सख्स, जिसने विदेशों से दो डॉक्टरेट डिग्री ली थी। उस जमाने के डॉक्टरेट डिग्री हासिल करने वाले पहले भारतीय थे। उनको नौ भाषाएं आती थीं। वो किताबों के बड़े शौकिन थे और उनकी एक व्यक्तिगत लाइब्रेरी थी। जिसमें 50 हजार किताबें थीं और उनकी लाइब्रेरी का नाम राजगीर था। कहते हैं कि उनकी व्यक्तिगत लाइब्रेरी दुनिया की सबसे बड़ी लाइब्रेरी थी। आज वो हमारे बीच में नहीं है, लेकिन भारत ही, पूरी दुनिया उनकी कितनी कद्र करती है, यह आप इस बात से सोच सकते हैं कि लंदन के म्युजियम में आज कार्ल मार्क्स के बगल में उनकी प्रतिमा लगी हुई है।

चिंताजनक खबर

जैसे-जैसे ओमिक्रॉन का खतरा बढ़ रहा है, वैसे-वैसे चिकित्सा जांच और इलाज से भागने वालों की संख्या भी बढ़ रही है। हवाई अड्डों पर जहां-जहां कड़ाई बढ़ी है, वहां लोग सहयोग के बजाय परेशानी का इजहार करने लगे हैं। इसमें कोई शक नहीं कि विदेश से आने वाले लोगों की निगरानी बढ़ाकर ही हम ओमिक्रॉन के खतरे पर काबू पा सकते हैं। यह खबर बहुत ही चिंताजनक है कि कर्नाटक के बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीकी देशों से आए 10 विदेशी नागरिक लापता बताए जा रहे हैं। बेंगलुरु महानगरपालिका और वहां के स्वास्थ्य अधिकारियों का उनसे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। दरअसल, बेंगलुरु में ही ओमिक्रॉन का भारत में पहला मामला मिला है। दक्षिण अफ्रीका से ही ओमीक्रोन की भारत में घुसपैठ हुई है। ऐसे में, विदेशी नागरिकों का गायब होना किसी अपराध से कम नहीं है। जो लोग बीमारी छिपाकर या किसी प्रकार की जांच से बचकर भाग रहे हैं, वे इस समाज और देश के दुश्मन हैं। उन्हें अगर कड़ा दंड दिया जाए, तो गलत नहीं होगा। यही नहीं, जो लोग किसी भी प्रकार की जांच से मुंह चुराकर अपने घर-परिवार में लौट जा रहे हैं, वे अपने परिजनों के भी शुभचिंतक नहीं हैं।

पुलिस भले ही संदिग्धों तक पहुंच जाए, लेकिन सच यही है कि दक्षिण अफ्रीका से आए विदेशी तो फोन भी नहीं उठा रहे थे। मतलब, उन्हें अपनी या अपने लोगों की जान की कोई चिंता नहीं थी। ध्यान रहे, दूसरी लहर के पहले भी बड़े पैमाने पर लोग जांच और इलाज से भाग रहे थे। शायद ही कोई ऐसा राज्य था, जहां लोग अपने और दूसरों के स्वास्थ्य को लेकर गंभीर थे। पिछले साल अप्रैल में लापरवाही समझ से परे हो गई थी। जांच से बचने के लिए 385 यात्री सिलचर हवाई अड्डे से भाग खड़े हुए थे। तब अधिकारियों ने कहा था कि उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू की जाएगी, लेकिन लोगों को कोई कार्रवाई नजर नहीं आई। भागने वालों के खिलाफ कश्मीर से लेकर केरल तक कोई आदर्श कार्रवाई नहीं हुई। नतीजा सामने है, ओमिक्रॉन की वजह से जब जांच तेज हुई है, तो लोग फिर भागने-बचने में लग गए हैं। काश! लोग जांच से भागे नहीं होते, इलाज बीच में छोड़ नहीं जाते, तो बहुत संभव है, दूसरी लहर का कहर कुछ कम होता। आशंकाओं का बाजार गरम है, क्या ओमिक्रॉन की वजह से तीसरी लहर आने वाली है? क्या फिर लॉकडाउन लगने वाला है? क्या भव्य उत्सवों-आयोजनों पर फिर गाज गिरने वाली है? क्या यात्राओं पर फिर लगाम कसने वाली है? लोगों को पूरी सावधानी से जांच में सहयोगी बनना चाहिए। कोरोना दिशा-निर्देशों की पालना करना और इलाज कराना आज देश सेवा से कम नहीं है। मामले बढ़ने के बाद हम कड़ाई बरतेंगे, तो कोई फायदा नहीं। खतरा बढ़ने से पहले ही सरकार को अपने इंतजाम पूरे रखने चाहिए, ताकि विदेश से आने वाले लोगों की सही जांच हो, उन्हें क्वारंटीन किया जाए। यदि जांच या क्वारंटीन करना मुमकिन नहीं है, तो फिर विदेश से आने वाली उड़ानों को रोकने से बेहतर कोई उपाय नहीं है। कम से कम उन देशों से आने वाली उड़ानों को रोक देना चाहिए, जहां ओमीक्रोन घुसपैठ कर चुका है। घुसपैठ तो हमारे यहां भी हो गई है, लेकिन क्या हम पूरी तरह से सचेत हैं? क्या हम अपना और अपनों का बचाव करने लगे हैं? विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी कोरोना विषाणु के संक्रमण और उसके असर से वैश्विक महामारी होने की घोषणा की, तभी से इसका खतरा जगजाहिर रहा है। बाद के दिनों में इस विषाणु ने समूची दुनिया में जैसा प्रभाव दिखाया, उससे यह साफ हुआ कि शुरुआती दौर में जताई गई आशंका के मुकाबले इससे निपटना ज्यादा मुश्किल चुनौती है। खासकर, पिछले साल पहली लहर में व्यापक नुकसान पहुंचाने के बाद इस साल दूसरी लहर में इस विषाणु ने जो कहर ढाया, उसके बाद इसकी जटिलता ज्यादा खुल कर सामने आई। इस बीच इससे बचाव के उपायों के साथ-साथ होने वाले अध्ययनों में यह बताया गया कि कोरोना लगातार अपने रूप बदल रहा है और इसके अनेक स्वरूप भी सामने आ रहे हैं। इस साल कोरोना के डेल्टा बहुरूप ने कोविड-19 के इलाज के मामले में एक नई परेशानी खड़ी कर दी थी। हालत यह थी कि संक्रमितों की बड़ी संख्या के बीच मरीजों के इलाज में अस्पतालों को मुश्किल पेश आने लगी और कई जगहों पर लोग आक्सीजन की कमी के चलते भी जान गंवा बैठे। अब कोरोना के नए बहुरूप की शक्ल में ओमीक्रान का जैसा खतरा समूची दुनिया के सिर पर खड़ा है, उसे एक खतरनाक संकेत के तौर पर देखा जाना चाहिए। कायदे से कहें तो देश में अभी दूसरी लहर पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है और अब भी अलग-अलग जगहों पर कोरोना के मामले पाए जा रहे हैं। हालांकि वक्त के साथ चिकित्सा जगत ने इसका सामना करने और संक्रमितों के इलाज के मामले में काफी काम किया है और इसका असर बड़ी तादाद में मरीजों के ठीक होने के रूप में देखा जा सकता है। लेकिन अब ओमीक्रान को लेकर जैसी खबरें आ रही हैं, वह कोरोना के अन्य बहुरूपों के असर और पूर्व-अनुभवों को देखते हुए चिंता का कारण होना चाहिए।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

राहुल भइया भला क्यों, हैं यूपी से दूर
एक अकेले प्रियंका, थककर हो गईं चूर
थककर हो गईं चूर, कसम खाता हूं दइया
बीजेपी पर कृपा कीजिए पप्पू भइया
कह सुरेश बिनु तोहरे क्या बाजी मारेगी
यूपी घूमो वरना बीजेपी हारेगी

पूर्वांचल के लोग इस बार भी भरेंगे योगी की झोली?

दुनिया के कुछ देशों ने कोरोना रोधी वैक्सीन तो बना ली, लेकिन अब भी विश्व आबादी का बड़ा हिस्सा वैक्सीन के लिए तरस रहा है। जिन देशों में वैक्सीन लगी है, वहां व्यस्क आबादी को तो कुछ सुरक्षा मिल गयी है, लेकिन बच्चों के लिए अब भी सुरक्षित टीकों का इंतजार है। यही नहीं कोरोना की वजह से बिना मास्क और बिना सोशल डिस्टेंसिंग वाले जीवन की कल्पना करना अब मुश्किल हो गया है। कोरोना ने स्कूली बच्चों को ऑनलाइन कक्षा में भाग लेने पर मजबूर कर दिया, कोरोना ने कार्यालयों की संस्कृति बदल कर वर्क फ्रॉम होम का माहौल ला दिया और अब जिस तरह से यह नया स्वरूप लेकर फैलना शुरू हुआ है उससे लॉकडाउन और तमाम तरह की पाबंदियां फिर शुरू हो गयी हैं।

उत्तर प्रदेश में पूर्वांचल ही वो इलाका है, जो किसी भी पार्टी के लिए लखनऊ की कुर्सी तक पहुंचने का दरवाजा खोलता है। देश के सबसे बड़े सूबे के इस हिस्से का चुनावी इतिहास बताता है कि इसी इलाके की जनता ने मुलायम सिंह यादव, मायावती, अखिलेश यादव से लेकर योगी आदित्यनाथ की झोली में सीटों की बौछार करके उन्हें यूपी के सिंहासन पर बैठाया है, लिहाजा हर राजनीतिक दल के लिए ये इलाका आज भी सत्ता तक पहुंचने की सबसे कामयाब सीढ़ी माना जाता है। हालांकि पीएम मोदी का संसदीय क्षेत्र वाराणसी और गुरु गोरखनाथ की गद्दी संभाले यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की कर्म नगरी गोरखपुर भी इसी पूर्वांचल में आता है, लिहाजा भाजपा के लिए तो ये और भी ज्यादा अहम है।

यूपी चुनाव को लेकर लोगों के दिमाग में आखिर क्या चल रहा है और वे खुद को किसे अगले पांच साल के लिए अपना रहनुमा समझते हैं, यही सब जानने और देश की जनता को वह बताने के लिए एबीपी न्यूज- सी-वोटर के साथ मिलकर हर हफ्ते चुनाव पूर्व सर्वे कर रहा है। वैसे ये सर्वे 25 नवंबर से लेकर 1 दिसंबर के बीच हुआ है, लिहाजा इसके नतीजों को उसी अंतराल के मुताबिक ही देखा जाना ज्यादा वाजिब होगा, क्योंकि सियासत की बिसात पर हर दिन गोटियां बदलती रहती हैं और वोटरों का एक बड़ा तबका भी उसी हिसाब से अपना मूड भी बदलता है, जो किसी भी सर्वे के नतीजों में पुख्ता तौर पर सामने नहीं आ सकता। लेकिन इस हकीकत को तो मानना ही पड़ेगा कि प्रदेश में सबसे ज्यादा सीटों वाले पूर्वांचल के लोगों को लुभाने के लिए सत्ताधारी बीजेपी से लेकर अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की प्रियंका गांधी ने अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। हालांकि ये सर्वे पूर्वांचल क्षेत्र में आने वाली विधानसभा की 130 सीटों को लेकर ही किया गया है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक पूर्वांचल के 28 जिलों में कुल 164 सीटें हैं, जो किसी भी पार्टी के सत्ता में आने की किस्मत का फैसला करती हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को यहां से सर्वाधिक 115 सीटें मिली थीं, जिसके बूते पर ही योगी आदित्यनाथ को यूपी का सिंहासन मिला था। वैसे 2017 के चुनाव में भी भाजपा को ये उम्मीद नहीं थी कि पूर्वांचल के लोग इतनी सारी सीटें देकर उसकी झोली भर देंगे। उसकी वजह भी थी, क्योंकि उससे पहले तक पूर्वांचल को समाजवादी पार्टी का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था। लेकिन योगी की ओजस्विता और भाजपा की रणनीति ने सपा के इस किले को ऐसा नेस्तनाबूद करके रख दिया कि अखिलेश यादव पांच साल बाद भी अब इसी मशक्कत में लगे हैं कि इसका आधा हिस्सा ही इस बार उनके उनके हाथ लग जाये।

वैसे पिछले हफ्ते हुए और ताजा सर्वे के नतीजों की तुलना करें, तो पूर्वांचल में सपा अपनी बढ़त बनाती दिख रही है, लेकिन उसी अनुपात में भाजपा भी उससे आगे निकल रही है। लिहाजा, ये तो तय है कि यूपी के बाकी हिस्सों की तरह ही यहां भी असली मुकाबला भाजपा और सपा के बीच ही है। मायावती की बीएसपी और प्रियंका गांधी की कांग्रेस यहां भी काफी पीछे हैं। हालांकि इस सर्वे में इसका अनुमान नहीं लगाया गया है कि किस पार्टी को कितनी सीटें मिल सकती हैं। मोटे तौर पर लोगों से बातचीत करके इसका अंदाजा लगाया है कि किस दल को कितने प्रतिशत वोट मिल सकते हैं। भाजपा को सबसे ज्यादा वोट मिलते दिख रहे हैं, लेकिन सपा इस रेस को जीतने के लिए पूरी ताकत लगा रही है। क्योंकि दोनों के बीच सिर्फ चार फीसदी वोटों का ही फासला है।

सर्वे के नतीजों के मुताबिक पिछले हफ्ते भर मेंभाजपा और सपा, दोनों ने ही उसे मिलने वाले वोटों में एक फीसदी की बढ़त हासिल की है, जबकि बीएसपी को मिलने वाले वोट प्रतिशत में दो फीसदी की कमी हुई है, जो थोड़ा हैरान करने वाली बात है। इस सर्वे में यूपी के 11 हजार 85 लोगों ने हिस्सा लिया है। सर्वे 25 नवंबर से 1 दिसंबर के बीच का है। इसमें मार्जिन ऑफ एरर प्लस माइनस 3 से 5% तक का है, दरअसल 2017 के चुनावी इतिहास पर अगर गौर करें, तो तब भाजपा ने पूर्वांचल में प्रभावी क्षेत्रीय दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और अपना दल (सोनेलाल) के साथ गठबंधन करके ही बड़ी जीत हासिल की थी। तब पूर्वांचल की जनता ने सपा को महज 17 सीटें देकर उसका अहंकार खत्म कर दिया। इसी तरह साल 2007 के चुनाव में बसपा का भी यहां खासा जनाधार था और इसी पूर्वांचल से मिली सीटों के बूते पर ही मायावती सूबे की मुख्यमंत्री बनी थीं, लेकिन पिछले चुनाव में वह भी सिर्फ 14 सीटों पर ही सिमट गई थी, जबकि कांग्रेस को दो और अन्य को 16 सीटें मिली थीं। साल 2019 के लोकसभा चुनावों में निषाद पार्टी के साथ गठबंधन करने से भी भाजपा को बड़ा फायदा मिला था। हालांकि इस बार भी भाजपा की निगाह छोटे दलों पर है। राजनीतिक विशलेषकों के अनुसार, ये छोटे दल ही भाजपा की पूर्वांचल में ताकत हैं। कुर्मी जाति के साथ ही कोईरी, काछी, कुशवाहा जैसी जातियों पर भी अपना दल (सोनेलाल) का असर होता है। इन्हें आपस में जोड़ दें तो पूर्वांचल के बनारस, चंदौली, मिर्जापुर, सोनभद्र, इलाहाबाद, कानपुर, कानपुर देहात की सीटों पर यह वोट बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं।

हालांकि इस बार समाजवादी पार्टी गठबंधन में आगे इसलिये निकल चुकी है कि उसने जनवादी दल और महान दल जैसी छोटी पार्टियों के साथ भी गठबंधन कर लिया है। महान दल की पश्चिम उत्तर प्रदेश में कुशवाहा, शाक्य, सैनी और मौर्या जाति पर अच्छी पकड़ है। चौहान वोट बैंक वाली पार्टी जनवादी दल भी वोट बैंक के लिहाज से मजबूत पकड़ वाली पार्टी समझी जाती है। कुल मिलाकर, अगले साल यूपी की सत्ता में जो भी बड़ी पार्टी आयेगी, उसके पीछे इन छोटे दलों की ताकत होगी।

-नरेंद्र भल्ला

रूस ने हर बार सच करके दिखाया

अंग्रेजी की एक कहावत है 'A real friend is one who walks in when the rest of the world walks out' यानी जब सारी दुनिया साथ छोड़ देती है तब एक सच्चा दोस्त आपका साथ देता है। भारत और रूस की वर्षों पुरानी दोस्ती पर ये बात बिल्कुल खरी उतरती है। रूस ने हर मौके और हर मोर्चे पर भारत का साथ दिया है। अपने कई बार अक्सर सुना होगा कि जब दो लोग एक-दूसरे के बारे में कहते हैं कि वो बचपन के दोस्त हैं। इसी प्रकार से रूस और भारत बचपन के दोस्त हैं और दोनों के बीच बहुत पुरानी दोस्ती है। इसमें कई उतार-चढ़ाव भी आए हैं। कई बार इस दोस्ती को परखा गया है। कई बार इस दोस्ती की परीक्षा ली गई है। भारत को हालिया वर्ष में कई दूसरे दोस्त भी मिले हैं। लेकिन जैसे पुराने रिश्तों के बारे में कहा जाता है कि वो कभी टूटते नहीं उसी प्रकार ये रिश्ता भी कभी टूटा नहीं। भारत और रूस की दोस्ती की कहानी के 74 साल पूरे हो गए हैं। भले ही वर्तमान में अमेरिका और भारत के बीच नजदीकियां बढ़ी हों, लेकिन पुरानी दोस्ती को किसी नई ताकत के साथ तौलकर नहीं देखा जा सकता है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद पूरी दुनिया दो हिस्सों में बंट चुकी थी। एक ओर सोवित रूस के समर्थन वाला साम्यवाद गुट और दूसरा अमेरिका की अगुवाई में पूंजीवादी देशों का समूह। भारत को उस वक्त नई-नई आजादी मिली थी। भारत शीत युद्ध के वक्त में सोवियत संघ और अमेरिका दोनों के साथ अच्छे रिश्ते बनाए रखना चाहता था। हालांकि भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू सोवियत संघ से प्रभावित थे और वह समाजवाद के पक्षधर थे। भारत की आजादी के वर्षों से ही दोनों देशों के बीच के संबंध हैं। 13 अप्रैल 1947 को रूस (तत्कालीन सोवियत संघ) और भारत ने आधिकारिक तौर पर दिल्ली और मॉस्को में मिशन स्थापित करने का फैसला लिया था। 1955 में साम्यवादी रूस ने आजाद भारत के पहले पीएम का दिल खोलकर स्वागत किया। जबर्दस्त खेमेबंदी के दौर में रूस को अपने साथ भारत जैसा विशाल देश मिला था जो साम्यवाद की विचारधारा के साथ चलने को तैयार था। तब भारत और सोवियत रूस के बीच दोस्ती इस कदर परवान चढ़ी थी कि नेहरू जून में सोवियत रूस गये, तो

नवंबर में निकिता क्रुश्चेव रूस के प्रधानमंत्री निकोलाई बुलगैन के साथ भारत दौरे पर आ पहुंचे। 1971 का वो साल जब पाकिस्तान के दो टुकड़े हो गए थे। पूरी दुनिया के सामने पाकिस्तान को भारत के सामने सरेंडर करना पड़ा था। लेकिन पाकिस्तान को हराना और उसके दो टुकड़े करना इतना आसान नहीं था। ये वो दौर था जब अमेरिका और दूसरे बड़े देश खिलाफ में खड़े हो गए थे। ये वो समय था जब पूरी दुनिया में भारत अकेला पड़ गया था। तब रूस ने भारत का साथ दिया और अपनी दोस्ती निभाई। हालांकि रूस और अमेरिका एक-दूसरे के कट्टर विरोधी रहे हैं, ये भी एक बड़ा कारण था, जब रूस ने पूरी दुनिया के खिलाफ भारत का साथ दिया। दूसरे विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़े मिलिट्री सरेंडर के तहत पाकिस्तान ने भारतीय जवानों के सामने हथियार डाल दिए। अमेरिका इस लड़ाई में पाकिस्तान के साथ था वहीं वो इस लड़ाई में चीन को भी साथ मिलाकर भारत को दबाना चाहता था। उसे डर था कि कहीं ईस्ट पाकिस्तान की आजादी में भारत का हाथ रहा तो भारत बड़ी शक्ति बनकर उभरेगा। साथ ही एशिया में रूस का प्रभाव भी बढ़ने लगेगा। ऐसे में भारत सरकार ने एक कठोर कदम उठाते हुए 9 अगस्त को सोवियत संघ के साथ शांति, भाईचारे और सहयोग की संधि पर हस्ताक्षर किए। जिससे अमेरिका पूरी तरह से भारत के खिलाफ हो गया। इस संधि के तुरंत बाद सोवियत संघ ने ऐलान किया था कि भारत पर हमला उसके ऊपर हमला माना जाएगा। 3 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान ने भारत पर हमला कर दिया। 4 दिसंबर 1971 को इंदिरा देश में इमरजेंसी की घोषणा करते हुए इंदिरा सरकार ने सेना को पाकिस्तान का मुंहतोड़ जवाब देने को कहा। अमेरिका इस युद्ध में भारत को अलग-थलग करना चाहता था, इसलिए राष्ट्रपति निक्सन ने चीन को भारत से युद्ध के लिए उकसाया। लेकिन रूस चीन को पहले ही आगाह कर चुका था कि अगर उसने भारत पर आक्रमण किया तो उसे इसके परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा। पाकिस्तान के सैनिक चीन के भारत पर आक्रमण की आस में लड़ रहे थे। लेकिन चीन ने इस लड़ाई में कभी भाग नहीं लिया। 9 दिसंबर को अमेरिका के राष्ट्रपति निक्सन ने एयरक्रॉफ्ट कॉरियर यूएसएस इंटरप्राइजेज को बंगाल की खाड़ी में भेज दिया। उस समय तक अमेरिका को लग रहा था कि चीन भारत पर अटैक करेगा। लेकिन चीन रूस की धमकी की वजह से युद्ध में नहीं कूदा। 10 दिसंबर को ब्रिटेन का एयरक्रॉफ्ट कॉरियर ईगल भी भारत को घेरने के इरादे से चल पड़ा। तब रूस अपने जहाजों के बेड़े के साथ बंगाल की खाड़ी में उतर जाता है और ब्रिटेन के एयरक्रॉफ्ट ईगल का मुकाबला करने के लिए अपनी न्यूक्लिर सबमरीन मिसाइल को भी उतार देता है। रूस के इस रूख को देखकर ब्रिटिश सेना पीछे हट जाती है। रूस अमेरिका के एयरक्रॉफ्ट कॉरियर का रास्ता भी पूरी तरह रोक लेता है। उनका एक ही लक्ष्य रहता है कि अमेरिकी जहाज किसी भी भारतीय मिलिट्री बेस को निशाना न बना सके।

-अभिनय आकाश

अखिल भारतीय जनसंघ ने 'अयोध्या आंदोलन' को सराहा, 'राम राज्य' की स्थापना के लिए युवाओं से आगे आने का किया आह्वान

अखिल भारतीय जन संघ (एबीजे) उन सभी लोगों का सम्मान करता है जो 'अयोध्या आंदोलन' का हिस्सा रहे हैं, जिस आंदोलन के परिणामस्वरूप अब श्री राम मंदिर का निर्माण हो रहा है और नए भारत में 'राम-राज्य' की स्थापना के लिए एबीजेएस, समानता, स्वतंत्रता एवं धार्मिक सहिष्णुता के आधार पर एकजुट भारत के लिए प्रयास कर रहा है। अखिल भारतीय जनसंघ (एबीजेएस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप राजेंद्र सिंह ने आज यहां जारी एक बयान में कहा।

अखिल भारतीय जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप राजेंद्र सिंह कहते हैं, 'राम राज्य' के आंदोलन को धार्मिक पहचान की राजनीति के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सभी धर्मों और जातियों से आने वाले युवाओं को राम मंदिर या बाबरी मस्जिद के इतिहास की जानकारी नहीं हो सकती है और उनमें से अधिकांश का जन्म 6 दिसंबर 1992 के बाद हुआ होगा, लेकिन निश्चित रूप से वे सभी आर्थिक और सामाजिक रूप से एक मजबूत भारत चाहते हैं। एबीजेएस की दृष्टि में 'राम राज्य' वह है जिसमें सभी के लिए समान अवसरों की उपलब्धता है और एक समतावादी समाज की स्थापना के लिए, प्रत्येक भारतीय के लिए राम मंदिर दृढ़ संकल्प का प्रतीक हो सकता है। पार्टी ने देश के युवाओं से 'राम राज्य' की स्थापना के लिए आगे आने की अपील की।

एबीजेएस के प्रत्येक नेता और सदस्य ने 'अयोध्या आंदोलन' के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया है और अब 'राम राज्य' की स्थापना हेतु हम इस आंदोलन को अगले स्तर पर ले जाने के लिए सभी प्रयास करेंगे। इसमें वर्षों या दशकों का समय भी लग सकता है, लेकिन पार्टी इसके लिए प्रतिबद्ध है, सिंह ने आगे कहा।

साइट पर मंदिर का निर्माण नवंबर 2019 में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद शुरू हुआ, जिसने साइट पर कानूनी लड़ाई को समाप्त कर दिया और मंदिर के निर्माण की अनुमति दी।

अब, हिंदू और मुस्लिम दोनों ने राम मंदिर और बाबरी मस्जिद मुद्दे पर अपनी-अपनी साइटों को आवंटित करने के साथ ही सुलह कर ली है। एबीजेएस सभी राजनीतिक दलों से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता है कि 'अयोध्या आंदोलन' को हिंदू वर्चस्व पर आधारित एक राजनीतिक मुद्दा न बनाएं, बल्कि इसे राष्ट्र-निर्माण के लिए एक शक्तिशाली टूल के रूप में देखें, जिसमें भारत को एक महाशक्ति बनाने के लिए, प्रत्येक भारतीय दृढ़ संकल्प के साथ अपना योगदान दे सके। 'राम राज्य' के आंदोलन को धार्मिक पहचान की राजनीति के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, अपनी बात पूरी करते हुए एबीजेएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा।

आज का कार्टून

साभार

विनोद दुआ को आखिरी सलाम

मेरे पत्रकार और फिल्मकार मित्र जो एक सीनियर जर्नलिस्ट हैं, ने ट्विटर पर लिखा – 'विनोद मरा नहीं, विनोद मरते नहीं.' सच ही लिखा है, भले ही यह खबर सच हो कि वरिष्ठ पत्रकार विनोद दुआ ने शनिवार को साढ़े चार बजे दिल्ली के अपोलो अस्पताल में आखिरी सांस ली, लेकिन विनोद दुआ, उनकी पत्रकारिता, उनकी जांबाज़ी, उनकी हिम्मत मर नहीं सकती। अपने 35 साल के करियर में उनका यह अंदाज सैकड़ों पत्रकारों में छूट गया है, जो खत्म नहीं हो सकता। उसे खत्म किया नहीं जा सकता। विनोद दुआ हिंदी टीवी पत्रकारिता का सबसे बड़ा नाम यूं ही नहीं थे। उनसे ज्यादा कैमरा फ्रेंडली एंकर शायद ही कोई दूसरा रहा हो। आज के दौर में जब ज्यादातर एंकर टीवी प्रॉम्पटर के बिना नहीं चल सकते हों, उसमें विनोद दुआ ने कभी प्रॉम्पटर का इस्तेमाल नहीं किया, क्योंकि किसी भी कार्यक्रम या स्टोरी के लिए उनके दिमाग में तस्वीर साफ होती थी और वो वही बोलते थे, चाहे आपको पसंद आए या नहीं। दुआ साहब यूं तो खुद को पत्रकार नहीं कहते थे, और प्रजेंटर बोलते थे, क्योंकि उस जमाने में दूरदर्शन पर एंकर प्रजेंटर ही होते थे, लेकिन उनकी राजनीतिक समझ और पत्रकारिता की पैनी धार ऐसी रही, जिसका तोड़ पाना आसान काम नहीं था। कैमरे के सामने उनका दुस्साहस और बेलागमपन उन्हें सबसे अलग करता है, उनका अपना खास अंदाज़ था, बेफिक्री का अंदाज। दूरदर्शन पर चुनाव विश्लेषणों ने उनको ऐसी पहचान दी कि वो हर हिन्दुस्तानी घर में सेलेब्रिटी हो गए। प्रणॉय रॉय और उनकी जोड़ी खूब जमती थी। दिल्ली के हंसराज कॉलेज से अंग्रेजी में स्नातक और दिल्ली विश्वविद्यालय से लिट्रेचर में एम ए कर चुके दुआ की अंग्रेजी और हिन्दी दोनों पर जबरदस्त पकड़ थी। प्रणॉय रॉय के अंग्रेजी प्रजेंटेशन को भी वे तुरंत बड़ी खूबसूरती से हिंदी में समझा देते थे। हिन्दी टीवी पत्रकारिता को सम्मान दिलाने में उनकी भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकेगा।

कम लोगों को याद होगा कि जिस जमाने में दूरदर्शन अकेला टीवी चैनल होता था और वो भी सरकार के अधीन, उस दूरदर्शन पर उनका प्रोग्राम जनवाणी खासा लोकप्रिय था। इस कार्यक्रम में वो सरकार के नुमाइंदों और मंत्रियों को बुलाते थे और जनता के सवाल भी शामिल करते थे। कुछ लोग अब भी चाहें तो उस प्रोग्राम से दुस्साहसी होने के लिए हिम्मत जुटा सकते हैं। उस कार्यक्रम में दुआ साहब मंत्रियों से जैसे सवाल पूछते, टिपण्णी करते, जनता को मौका देते, वो तब तो मुश्किल काम था ही, अब असंभव सा लगता है। क्या आज कोई प्राइवेट न्यूज चैनल पर भी किसी मंत्री के कामकाज पर टिप्पणी करते हुए, उसे दस में से तीन अंक देने की हिम्मत दिखा सकता है, वो काम उन्होंने सरकारी चैनल दूरदर्शन पर किया. दुआ साहब ने शायद कभी इस बात की परवाह नहीं की कि सत्ता का व्यवहार उनके साथ कैसा रहेगा. 2008 में जब मनमोहन सिंह सरकार ने उन्हें पद्मश्री से सम्मानित करने का ऐलान किया, उनकी सूची में कुछ और नाम भी थे. उस हिसाब से विनोद दुआ के लिए वो बहुत छोटा सम्मान था. दूरदर्शन पर प्राइवेट प्रोडक्शन के तौर पर वह पहली साप्ताहिक पत्रकारिता थी– परख, नवम्बर 1992 में शुरू हुए इस कार्यक्रम के लिए लोग पूरे सप्ताह इंतज़ार करते थे. मेरा सौभाग्य है कि उस प्रोग्राम की शुरुआत से मैं उसमें जुड़ा रहा, पहले दिन से, पहले कार्यक्रम से. उस कार्यक्रम में भी हर सेगमेंट का नाम उन्होंने बेहद खूबसूरत तरीके से चुना था. वो उस कार्यक्रम के ना केवल निर्माता निर्देशक थे, बल्कि इसके माध्यम से उन्होनें देश भर में संवाददाताओं का ऐसा जाल बिछाया, जो बाद में आने वाले न्यूज चैनलों के आधार स्तम्भ बन गए. आज भी यह जानकार अच्छा महसूस होता है कि परख की टीम के उन पत्रकारों ने पत्रकारिता के मानदंडों को नहीं छोड़ा और आगे बढ़ाने की कोशिश ही की. देर रात तक उस कार्यक्रम पर चर्चाओं में उनका सहभागी और प्यार का हकदार बना. उन चर्चाओं के बीच इतिहास, विदेश नीति और संगीत पर उनका ज्ञान अदभुत था. पढ़ने लिखने और गाने के शौकीन. गाने के शौक और एक कार्यक्रम से ही उनकी मुलाकात बाद में उनकी जीवनसंगिनी बनी डॉ पद्मावती से हुई. प्यार से उन्हें लोग चिन्ना दुआ के नाम से जानते हैं और वो नेवीगेटर थीं विनोद दुआ की, शायद यही वजह रही कि इस साल कोरोना की वजह से जून में चिन्ना जी के जाने के बाद दुआ साहब ना केवल टूट गए, बल्कि शायद जीने की इच्छा ही छोड़ दी और वो बीमारी की इस लड़ाई से वैसे नहीं लड़ रहे थे, जैसे उन्होंने अपने करियर में बड़े बड़े लोगों से लड़ी।

-मृत्युंजय दीक्षित

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

विधायक और ब्लाक प्रमुख मिलकर करेंगे पीलुआ-छडगांव का कायाकल्प

■ मथुरा

- विधायक कारिन्दा ने दिया सीसी रोड का उपहार
- ब्लाक प्रमुख नीति ने कराई पेयजल की व्यवस्था

जनहित में नेताओ की जुगलबंदी हो जाए तो देश को स्वर्ग बनाने से भला कौन रोक सकता है। ऐसी ही जुगलबंदी गांवों के विकास में लगा रही है चार चांद। गोवर्धन विधायक ठाकुर कारिन्दा सिंह और ब्लॉक प्रमुख नीति सिंह के संयुक्त प्रयास से खेरिया और छडगांव में पचास लाख से ज्यादा लागत के कार्यों को हरी झंडी मिली है। छडगांव में 40 लाख की लागत से डामरीकृत रोड बनेगा जो कई गांवों को जोड़ेगा। बीते दिन विधायक श्री सिंह ने नारियल फोड़कर योजना का श्री गणेश किया । विधायक प्रतिनिधि सुनील सिंह ने बताया कि खेरिया में साढ़े सात लाख की लागत से एक इंटरलॉकिंग कार्य भी कराया जा रहा है। वहीं ब्लॉक प्रमुख नीति सिंह अपनी क्षेत्र पंचायत निधि से ग्रामीणों के लिए पेयजल की व्यवस्था बना रही हैं। प्रमुख पति अनिल सिंह ने बताया कि खेरिया सेरसा चौराहा पर पांच लाख की लागत से पेयजल टंकी रखी गई है और गांवों तक पाइप भी बिछाये गए हैं। दोनों गांवों को अब पेयजल की समस्या से निजात मिल सकेगी। ग्रामीणों को पानी के लिए नहीं भटकना पड़ेगा।

ईओ ने वितरित किये कन्या विवाह के चैक

■ मेरठ

चेयरमैन मोहम्मद अय्यूब कालिया व अधिशासी अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने पालिका कार्यालय में सामूहिक विवाह की तीन पात्र कन्या श्रीमती अफसाना पुत्री अमीरूद्दीन, श्रीमति गुलिस्ता पुत्री अमीरूद्दीन व श्रीमति अंन्जली पुत्री कृष्णपाल को सामूहिक विवाह मे प्राप्त अनुदान राशि के चैको का वितरण किया गया। उक्त मौके पर सलीम, वाजिद, लाखन सिंह, अशफाक, सन्दीप कुमार आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने एलईडी युक्त वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

■ बागपत

जिलाधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी राज कमल यादव ने सोमवार को विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 के दृष्टिगत ईवीएम तथा वीवी पैट से संबंधित जागरूकता प्रचार एलईडी युक्त वाहन को कलेक्ट्रेट से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मोबाइल बैन के माध्यम से ईवीएम एवं वी वी पेट से संबंधित प्रदर्शन के माध्यम से मतदाता को उसके मताधिकार के प्रति जागरूक किया जाएगा।

जिसकी उम्र होगी 18 वर्ष व वोटर लिस्ट में होगा नाम वह करेगा लोकतंत्र के नाम मतदान।

एलईडी हर गांव गांव गली गली मोहल्ले मोहल्ले पोलिंग स्टेशन मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मतदाताओं को 1 माह तक जागरूक करेगी।

बाबा साहब आम्बेडकर के विचारों को आत्मसात करना होगाः डॉ. अतुल कृष्ण

■ मेरठ

बाबा साहब डा. भीमराव आम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं उन्मुक्त भारत के राष्ट्रीय संयोजक डा. अतुल कृष्ण बौद्ध ने डा. भीमराव को श्रद्धांजलि अर्पित की। आज का दिन बाबा साहब के बताएं रास्तों पर चलकर उनकी विचारधारा को आत्मसात करने का दिन है। उन्होंने कहा कि समाज में मानवता के प्रति फैल रही गैरबराबरी की प्रथा एवं निर्मल वर्ग के लोगो के साथ गलत व्यवहार तथा शोषण के विरूद्ध बाबा साहब डा.भीमराव आम्बेडकर ने लोगो को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करके उन्हें न्याय एवं समाज में सम्मानित स्थान दिलाया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने भारत के संविधान में ऐसी व्यवस्था की, के हर वर्ग के लोगो को बराबरी के दर्जे के साथ उनको न्याय मिल सकें एवं भारत विश्व में अपने सर्वसुलभ संविधान से पहचाना जाएं।

उन्होंने कहा कि नाइन्साफी, शोषण एवं अशिक्षा के साथ अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता तभी प्राप्त हो सकती है।

पिछड़ों का सम्मान भाजपा में सुरक्षित : किशोर लोधी

■ बुलंदशहर

आगामी विधानसभा चुनाव मेअपना परचम लहराने कोभाजपा अपना कुनबा बढाने मे जुटी है। पिछडा वर्ग मोर्चा के अध्यक्ष किशोर लोधी के नेतृत्व मे ग्राम हीरापुर मेसदस्यता अभियान चला ग्राम प्रधान की मौजूदगी मे250 लोगो को भाजपा की सदस्यता ग्रहण करा केन्द्रव प्रदेश सरकार की योजनाओ से ग्रामीणो को अवगत कराया। आगामी 2022 केचुनाव मे अपना परचम फहराने कोसभी राजनैतिक पार्टियां सदस्यता अभियान चला संगठन कोमजबूत करने मेजुटी है। इसी कडी मे सत्ताधारी पार्टीभाजपा भी पीछे नही है। सोमवार को भाजपा पिछडा वर्ग मोर्चा केजिलाध्यक्ष किशोर लोधी के नेतृत्व मेतहसील सदर क्षेत्र के ग्राम हीरापुर मे सदस्यता अभियान चलाया गया। ग्राम प्रधान पीतम सिंह, पिछडा वर्ग मोर्चा के मंडल मंत्री राहुल दयाल व मंडल उपाध्यक्ष दीपक लोधी नेजिलाध्यक्ष किशोर लोधी कोमाला पहना व शाल ओढाकर जोरदार स्वागत किया। इस दौरान 250 ग्रामीणो के मोबाईल सेमिस्ड काल लगवा भाजपा की सदस्यता ग्रहण करायी गयी। जिलाध्यक्ष किशोर लोधी ने कहा कि केन्द्रव प्रदेश की भाजपा सरकार मेंशहर से लेकर गांव का विकास हुआ है। मोदी ,योगी को सत्ता की नही बल्कि गरीब, मजदूर, किसान, नौजवानो की चिंता है। सपा,बसपा,कांग्रेस पिछडो को केवल वोट के लिये इस्तेमार करती है जबकि भाजपा सरकार नेपिछडो को सम्मान देने का काम किया हैइसीलिए पिछडो का सम्मान केवल भाजना मे सुरक्षित है। इस मौके पर बीडीसी हरेन्द्रकुमार, केशव सिंह,देशराज सिंह,किशोर सिंह, प्रेमचन्द्रशर्मा,पप्पू सिंह,सतीश चैधरी समेत सैकडो ग्रामीण उपस्थित रहे।

आज मनाया जायेगा सशस्त्र सेना झण्डा दिवसः जिलाधिकारी

मेरठ। जिलाधिकारी के बालाजी ने बताया कि विगत वर्षो की भांति इस बार मंगलवार को दिन सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के रूप में मनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि आप सभी को विदित है कि इस मद में एकत्र किया गया धन हमारी सशस्त्र सेनाओं में सेवारत, पूर्व सैनिकों एवं दिवंगत सैनिको की पत्नियों तथा उनके आश्रितो की सहायता व कल्याण कार्यों हेतु उपयोग में लाया जाता है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार वित्त मंत्रालय (रेवेन्यू डिविजन) के आदेशानुसार इस मद में जमा धनराशि आयकर से मुक्त है। उन्होंने बताया कि हमारी सेनाएं संसार की सेनाओं में सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है तथा हमारी सेनाओं का अदम्य साहस विश्व में उदाहरणीय है। जिस कारण हम सभी देषवासी निश्चिंत होकर जीवन यापन कर रहे है। उन्होंने कहा कि हम देशवासियों का भी कर्तव्य हो जाता है कि सैनिको व उनके परिवारों की सहायता के लिए हर संभव प्रयास करें और उन्हें तनिक भी एहसास न होने दें कि हम उनके प्रति उदासीन है।

भाजपा सरकार में माफिया छुप रहा जान बचातेः पूरन प्रकाश

■ मथुरा

बलदेव विधायक पूरन प्रकाश ने कहा कि भाजपा राज में माफिया माफी मांगता फिर रहा है। माफियाओं को छिपने की जगह नहीं मिल रही। श्री प्रकाश बलदेव के हथकौली गांव में सीसी रोड के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि टेट परीक्षा के पेपर को लीक कर परीक्षा की शुचिता को भंग करने वालों को योगी सरकार ने 24 घंटे में सबक सिखाया है। माफिया के घर और जमीन पर बुलडोजर चलवा दिया है। पहले और सरकारें माफियाओं को खुले आम सरंक्षण देती आ रही थी। परीक्षाओं में खुलकर नकल करायी जाती थी। भाजपा राज में अब सब गलत धंधों और गलत कार्यों का जनाज़ा निकल चुका है। इस अवसर पर बलदेव के नरहॉली, जुनारदार और हथकोली में सीसी रोड का नारियल फोड़ कर उद्घाटन किया गया । इस मौके पर अजित सिंह, अनिल रावत, कृष्ण मुरारी पुरोहित, पूरन सिंह,मानवेंद्र सिंह प्रधान बंदी,रवि शर्मा,नरेंद्र गोयल मंडल महामंत्री, जय प्रकाश मंडल महामंत्री,अनिल सिकरवार,देवी सिंह पूर्व मंडल अध्यक्ष, लखन सिंह आदि मौजूद थे।

एटीएम काटकर रुपए चोरी करने का मामला

गाजियाबाद। एटीएम को हैक करने वाले बदमाशों को 20 लाख रुपए एवं क्रेटा कार की रिश्वत लेकर छोड़ने के मामले में पुलिस आयुक्त ने जांच में दोषी मिलने पर हेड कांस्टेबल को भी सेवा से बर्खास्त कर दिया है। भ्रष्टाचार के इस बड़े मामले में तीन लोगों की बर्खास्तगी से पुलिस विभाग में हड़कंप मचा है। पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह ने बताया है कि अभी आधा दर्जन से भी अधिक पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्यवाही चल रही है। जिन पुलिसकर्मियों की मामले में संलिप्तता पाई जाएगी उनके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही होगी। सोमवार को पुलिस आयुक्त आलोक सिंह ने एटीएम को हैक करने वाले बदमाशों से रिश्वत के तौर पर 20 लाख रुपए एवं क्रेटा कार लेकर उन्हें छोड़ने के मामले में दोषी पाए गए तीसरे पुलिसकर्मी हेड कांस्टेबल नितिन को भी बर्खास्त कर दिया है। इस मामले में इससे पहले एसओजी प्रभारी शावेज खान एवं कांस्टेबल अमरीश को पहले ही आयुक्त ने सेवा से बर्खास्त कर दिया था।

जिलाधिकारी ने जनता दर्शन के दौरान आमजनों की सुनी समस्याएं

अलीगढ़ । जिलाधिकारी सेल्वा कुमारी जे. ने कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में जनता दर्शन में आये जनसामान्य की समस्याओं, शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर उसका समय से निस्तारण करने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने जनता दर्शन में प्राप्त प्रार्थना पत्रो को संबंधित अधिकारियों को निस्तारण हेतु प्रेषण करने के निर्देश उपस्थित अधिकारियों को दिये।

जिलाधिकारी ने की विकास कार्यों को जल्द पूर्ण करने के दिए निर्देश

■ बागपत

जिलाधिकारी राज कमल यादव ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों व जनपद में चल रहे 50 लाख से ऊपर के निर्माणाधीन कार्यो की समीक्षा बैठक की। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को व कार्यदायी संस्थानों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि जो जनपद में निर्माणाधीन कार्य चल रहे हैं वे गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध रूप से मानक के अनुरूप जल्द से जल्द पूर्ण होने चाहिए । जिलाधिकारी ने कहा जो कार्य 70 फीसद अभी तक हो गए हैं उन्हें इसी माह में हैंडओवर किया जाए।

जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि निर्माणाधीन कार्यो का नोडल अधिकारी अवश्य निरीक्षण करे। उन्होंने कहा निर्माणाधीन कार्यो की जांच थर्ड पार्टी से भी कराई जाएगी।

दहेज में बुलेट व 50 हजार रूपए न मिलने पर विवाहता को घर से निकाले का आरोप

बुलंदशहर। अतिरिक्त दहेज मे बुलेट बाईक व 50 हजार रूपए न मिलने पर विवाहिता ने पति समेत अन्य ससुरालियो पर मारपीट प्रताडित कर घर से भगाने का आरोप लगाते हुए एसएसपी कोतहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। एसएसपी के आदेश पर थाना पुलिस ने पति समेत अन्य ससुरालियो के विरूद्व मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है। कोतवाली जहांगीराबाद क्षेत्र के मौहल्ला आह्लग्रान निवासी अर्शी की शादी गत जुलाई 2020 मेंगाजियाबाद निवासी उवैश के साथ हुई थी। बताया जाता है ससुराली शादी मे मिले दहेज से खुश नही थे और वह कुछ दिन बाद से ही बुलेट बाईक व 50 हजार रूपए मायके से लाने का पीडिता पर दवाब बना रहे थे। पीडिता द्वारा विरोध करने पर ससुरालियो ने उसे मारपीट प्रताडित करना शुरू कर दिया। पीड़िता ने अपने ससुर पर अश्लील हरकत करने व शादी की मध्यस्ता करनेवालेबिचैलिया पर उत्पीड़न में ससुरालजनों का साथ देने का आरोप लगाया है। आरोप है कि उक्त दहेज न देने पर ससुराली विवाहिता को पीट मायके छोड़गये। सोमवार कोएसएसपी कार्यालय पहुंची पीडिता अर्शी ने एसएसपी को तहरीर देकर पति समेत अन्य ससुरालियो पर कार्यवाही की मांग की।

सुभारती विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

■ मेरठ

स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय के डॉ. बीआर आम्बेडकर पीठ, सरदार पटेल सुभारती लॉ कॉलिज एवं फैकल्टी ऑफ आर्ट एवं सोशल साईन्स के राजनीतिक विज्ञान एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में डॉ.बीआर आम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उभरता भारत एवं डॉ.बी.आर.अम्बेडकर की विचारधारा पर वेबिनार का आयोजन हुआ। वेबिनार के समन्वयक डॉ. मनोज कुमार त्रिपाठी ने कार्यक्रम के विषय व उसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने डॉ. अम्बेडकर चेयर तथा स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय का परिचय विस्तार पूर्वक दिया। कुलपति डॉ. जीके थपलियाल ने कहा कि उन्होंने समाज में व्याप्त तमाम बुराईयों को रेखांकित किया तथा एक समान सामाजिक व्यवस्था बनाने का दृष्टिकोण दिया। भारत को एक सम्प्रभुत्व राष्ट्र बनाने में उनकी बडी भूमिका थी। प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि आम्बेडकर की संविधान निर्माण में भूमिका अतुलनीय है। भारतीय संविधान राष्ट्र निर्माण का एक सजीव दस्तावेज है।

मण्डलायुक्त के कर कमलों से पुरस्कृत हुए प्रतियोगिता विजेता

अलीगढ। प्रदेश सरकार द्वारा कोविड-19 से बचाव व सड़क सुरक्षा तथा यातायात नियमों के प्रति जनमानस को जागरूक किये जाने के दृष्टिगत दिनांक-06.12.2021 से 12.12.2021 तक आयोजित तृतीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के अन्तर्गत प्रथम दिवस आज दिनांक-06.12.2021 को श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय, रामघाट रोड, अलीगढ़ में उच्च शिक्षा के महाविद्यालयों की मण्डलस्तरीय चित्रकला, लेखन एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन नोडल प्रभारी, श्रीमती मीनाक्षी वाजपेयी, प्राचार्या, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खैर एवं प्रो0 शर्मिला शर्मा, श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय, अलीगढ़ के निर्देशन में आयोजित की गयी। उक्त प्रतियोगिता में अलीगढ़, एटा, हाथरस एवं कासगंज जनपदों के महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपने-अपने जिलों का प्रतिनिधित्व किया। यह प्रतियोगितायें श्री गौरव दयाल, आयुक्त महोदय, अलीगढ़ मण्डल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की गयी। इन प्रतियोगिताओं के निर्णायक मण्डल में डॉ0 शैफाली सुमन, डॉ0 गीतिका सिंह, डॉ0 शशिबाला, डॉ0 आर0के0 गोस्वामी ने अपनी महती भूमिका निभाई।

फीता काट चेयरपर्सन ने किया रैनबसेरे का शुभारंभ

■ सिकंद्राबाद

ठंड का प्रकोप शुरू होते ही यात्रियों के लिए रेन बसेरे की व्यवस्था की है जिसका शुभारंभ पालिका चेयरपर्सन ने नारियल फोड़कर व फीता काटकर किया। दिसंबर माह के आते ही ठंड का प्रकोप जारी है। नगर में दूरदराज से आने वाले यात्रियों के लिए पालिका द्वारा स्टेट हाईवे स्थित बस अड्डे के पास पालिका द्वारा बनाये गये रेन बसेरा का चेयर पर्सन हज्जन बब्बो परवीन, ईओ विनोद कुमार ने फीता काट व नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। रैन बसेरे में यात्रियों के ठहरने के लिए 20 बिस्तरों का प्रबंध किया गया है। जिसमे 5 महिलाओं व 15 पुरषों के आराम की व्यवस्था की गई है । रेन बसेरे में कोविड के नियमों का पालन करते हुए सैनेटाइजर ,मास्क, थर्मल स्कैनर तथा रात्रि मेंरुकने वाले यात्रियों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई है । इस दौरान पालिका के ईओ विनोद कुमार,सचिन गिरी, रिंकू समेत पालिका कर्मचारी मौजूद रहे।

पूर्व ब्लाक प्रमुख काफिले पर हमला मामले में एक ने तोडा दम , 4 भतीजों समेत छह नामजद व 10 अज्ञात

■ बुलंदशहर

शादी समारोह मे शामिल होकर लौटतेसमय पूर्व प्रमुख के काफिला पर ताबडतोड फायरिंग मेंगोली लगने सेपांच समर्थक घायल होगये थे जिनमे से एक की देररात हायर मैडिकल सेंटर ले जाते समय रास्ते मे मौत हो गयी। पुलिस नेपोस्टमार्टम उपरांत शव उसके परिजनो को सौंपा है। प्रकरण कोगंभीरता से लेते हुए मंडल के आईजी प्रवीण कुमार ने रात मेही बुलंदशहर पहुंच पूर्व प्रमुख एवंएसएसपी सेजानकारी लेकर शीघ्रहमलावरो की पहचान कर आरोपियो की गिरफ्तारी के कडे निर्देश दिये है। थाना पर पीडित हाजी युनूस ने अपनेचार भतीजो समेत 6 नामजद व 10 अज्ञात के विरूद्व मुकदमा दर्ज कराया है। कोतवाली नगर क्षेत्र के मौहल्ला मिर्ची टोला निवासी हाजी युनूस पुत्रअब्दुल रशीद पूर्व ब्लाक प्रमुख है तथा वर्तमान मे उनकी पत्नी सीमा परवीन ब्लाक प्रमुख है। रविवार की दोपहर करीब 3 बजे हाजी युनूस तीन चार गाडियो मे अपने समर्थको के साथ क्षेत्र मे आयोजित शादी समारोह मे शामिल होकर घर वापस लौटते समय कोतवाली देहात की रिपोर्टिंग चैकी नई मंडी क्षेत्र के ग्राम भाईपुरा के रजवाहा के पास घात लगाये बैठेहमलावरो ने उनकी गाडियो पर ताबडतोड गोली बरसा हमला बोल दिया था । 50 राउंड से अधिक हुई फायरिंग मे ओडी व फारचूनर गाडी मे सवार कोतवाली देहात क्षेत्र के ग्राम अकबरपुर निवासी खालिद ,ग्राम कमालपुर निवासी अफजल ,कोतवाली नगर क्षेत्र के मौहल्ला उपरकोट निवासी सादाब,मौहल्ला नरसलघाट निवासी राशिद तथा जिला कासगंज के थाना अमापुर क्षेत्र के ग्राम कमालपुर निवासी शफी आलम गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गयेथे। पूर्व प्रमुख केनिजी सुरक्षा गार्डोद्वारा की गयी जवाबी फायरिंग से हमलावर भाग गये थे। सूचना मिलते ही कोतवाली, नगर, कोतवाली देहात व नई मंडी चैकी पुलिस के साथ डीएम चन्द्रप्रकाश सिंह,एसएसपी संतोष कुमार सिंह,एसपी सिटी सुरेन्द्रनाथ तिवारी व सहायक पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर घायलो को जिला अस्पताल मेभर्ती कराया जहां से चिकित्सको ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलो को हायर मैडिकल सेंटर रैफर कर दिया था

संकल्प परिवर्तन रैली की सफलता के लिए सपा नेताओं ने झोंकी ताकत

■ मेरठ

सिवालखास विधान सभा क्षेत्र के दबथुआ गांव में आज होने वाली संकल्प परिवर्तन रैली की सफलता के लिए सपा समर्थित चेयरपर्सन पति निज़ाम अंसारी ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक में सपा की नीतियों से अवगत कराते हुए अखिलेश यादव के हाथ मजबूत करने एवं 2022 विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत से जीत हासिल कराने का आह्वान किया। चेयरपर्सन पति निज़ाम अंसारी ने कहा कि आगामी 7 दिसंबर को क्षेत्र के दबथुआ गांव मे सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव व रालोद राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह संकल्प परिवर्तन रैली को संबोधित करेंगे।

उन्होंने सर्व समाज के लोगों से सभा में भारी संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि तीन कृषि कानून केंद्र सरकार को पहले हो वापस ले लेने चाहिए थे। भाजपा सरकार में महिलाओं पर अत्याचार बढ़ गए हैं।

टाउनहाल में मनायी गयी नागरिक सुरक्षा संगठन की 59वीं वर्षगांठ, किया ध्वजारोहण

■ मेरठ

नागरिक सुरक्षा दिवसकी 59वीं वर्षगांठ के अवसर पर नागरिक सुरक्षा नियंत्रण केन्द्र प्रांगण टाउन हाल घण्टाघर पर नागरिक सुरक्षा विभागीय झण्डा रोहण एवं प्रशस्ति पत्र प्राप्त स्वयं सेवकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि एडीएम (प्रशासन) सत्य प्रकाश सिंह ने झंडा रोहण किया गया तथा नागरिक सुरक्षा के वार्डनों/स्वयं सेवकों को शपथ एवं संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में एडीएम सत्य प्रकाश सिंह ने नागरिक सुरक्षा अधिकारियों, वरिष्ठ वार्डन, स्टाफ एवं वार्डन पदाधिकारियों को वर्षभर के सराहनीय कार्यों हेतु प्रशंसा की तथा निदेशक नागरिक सुरक्षा प्रशस्ति पत्र प्राप्त करने वाले स्वयंसेवको को सम्मानित किया। उन्होने नागरिक सुरक्षा को प्रशासन का एक महत्वपूर्ण अंग बताया। स्वीप कार्यक्रम एवं आगामी निर्वाचन प्रक्रिया में वार्डन सेवा पदाधिकारियों के सहयोग की अपेक्षा की गयी। चीफ वार्डन संदीप गोयल एवं उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा रवीन्द्र कुमार ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह दिया। संचालन डिप्टी चीफ वार्डन नरेन्द्र सिंह मलिक एव सहायक उप नियंत्रक (व0वे0) नवीन नारंग ने किया।

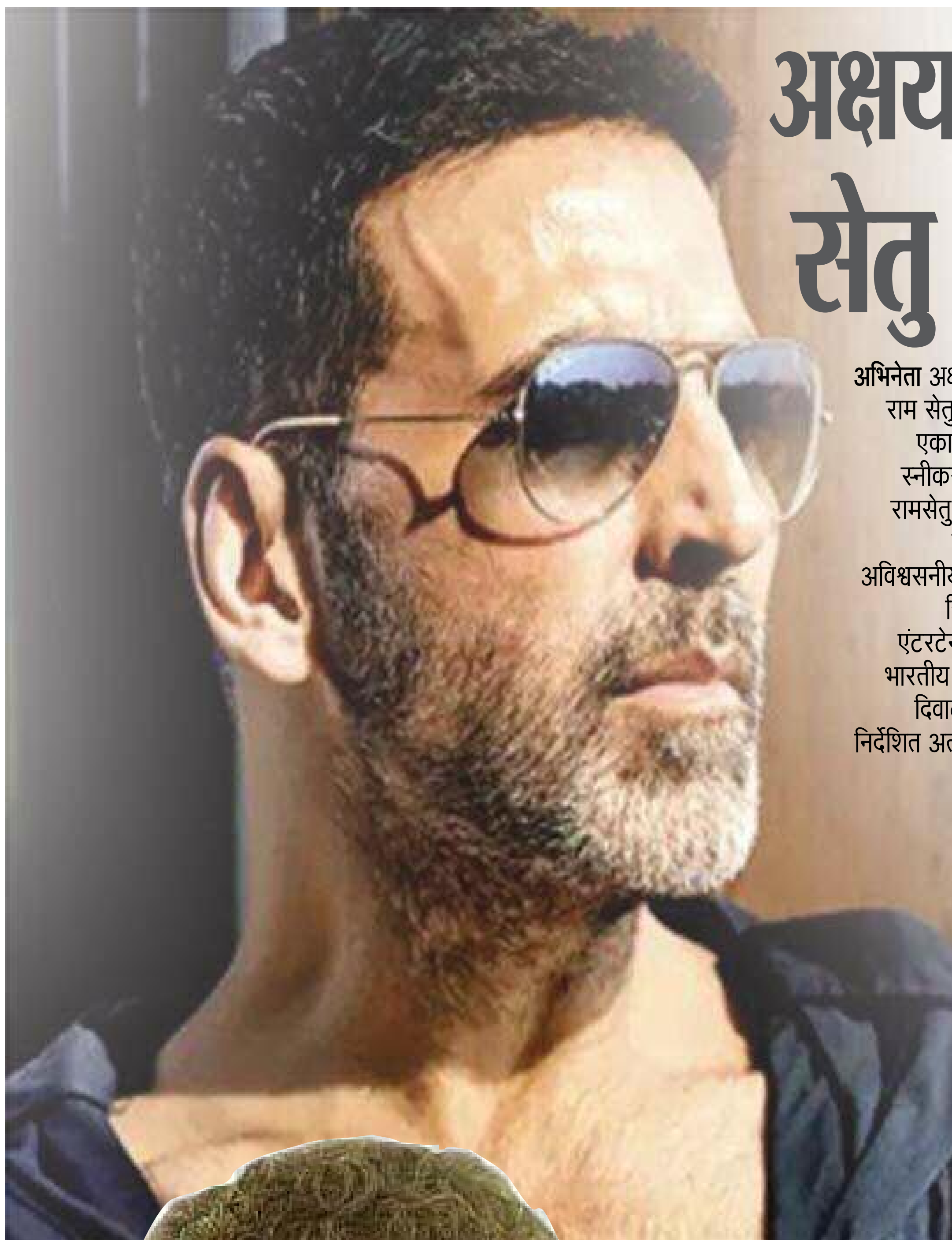

अक्षय कुमार ने दीव में राम सेतु की शूटिंग पूरी की

अभिनेता अक्षय कुमार ने फिल्म निर्माता अभिषेक शर्मा द्वारा निर्देशित अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना राम सेतु का शूटिंग शेड्यूल पूरा कर लिया है। शेड्यूल रैप की घोषणा अक्षय ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर की। उन्होंने फिल्म से अपने नए लुक को साझा किया, जहां उन्हें कार्गो पैंट और स्नीकर्स के साथ एक बॉम्बर जैकेट पहने देखा जा सकता है। उन्होंने तस्वीर को कैप्शन दिया, रामसेतु के शेड्यूल को समाप्त करते हुए दीव की अद्भुत यादों को साथ ले जा रहा हूं। प्राकृतिक सुंदरता, प्यारे लोग, प्रसिद्ध पानी कोठा किले-जेल की यादें। यह जगह इतिहास का एक अविश्वसनीय रत्न है। अक्षय के अलावा, राम सेतु में जैकलीन फर्नांडीज, नुसरत भरुचा और पंकज त्रिपाठी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। प्राइम वीडियो द्वारा केप ऑफ गुड फिल्म्स, अबुदंतिया एंटरटेनमेंट और लाइका प्रोडक्शंस के साथ निर्मित, राम सेतु एक एक्शन-एडवेंचर ड्रामा है जो भारतीय सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत में निहित कहानी को बताता है। फिल्म 2022 की दिवाली पर रिलीज के लिए तैयार है। इसके अलावा, अक्षय अगली बार आनंद एल राय द्वारा निर्देशित अतरंगी रे में दिखाई देंगे। फिल्म में धनुष और सारा अली खान भी हैं, यह 24 दिसंबर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

चाका चक पर सारा ने अल्ट्रा कूल रणवीर सिंह के साथ लगाए ठुमके

अभिनेत्री सारा अली खान को बॉलीवुड लाइव वायर रणवीर सिंह के साथ आगामी फिल्म के चाका चक गाने पर थिरकते हुए देखा गया है। सारा ने रविवार को इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह रणवीर के साथ अपने नए गाने पर थिरकती नजर आ रही है। क्लिप में, रणवीर सफेद टी-शर्ट और जैकेट और बूट के साथ डेनिम पहने हुए दिख रहे हैं, जबकि सारा बनारसी भारतीय परिधान में शानदार लग रही है। दोनों एक बगीचे में गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने वीडियो को कैप्शन दिया, जिसे वर्तमान में 5,50,000 बार देखा जा चुका है, सुपर डुपर अल्ट्रा कूल रणवीर सिंह फिर से साबित कर रहे है कि वह किंग क्यों है। इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। अतरंगी रे में अक्षय कुमार और धनुष भी हैं। आनंद एल राय निर्देशित यह फिल्म 24 दिसंबर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

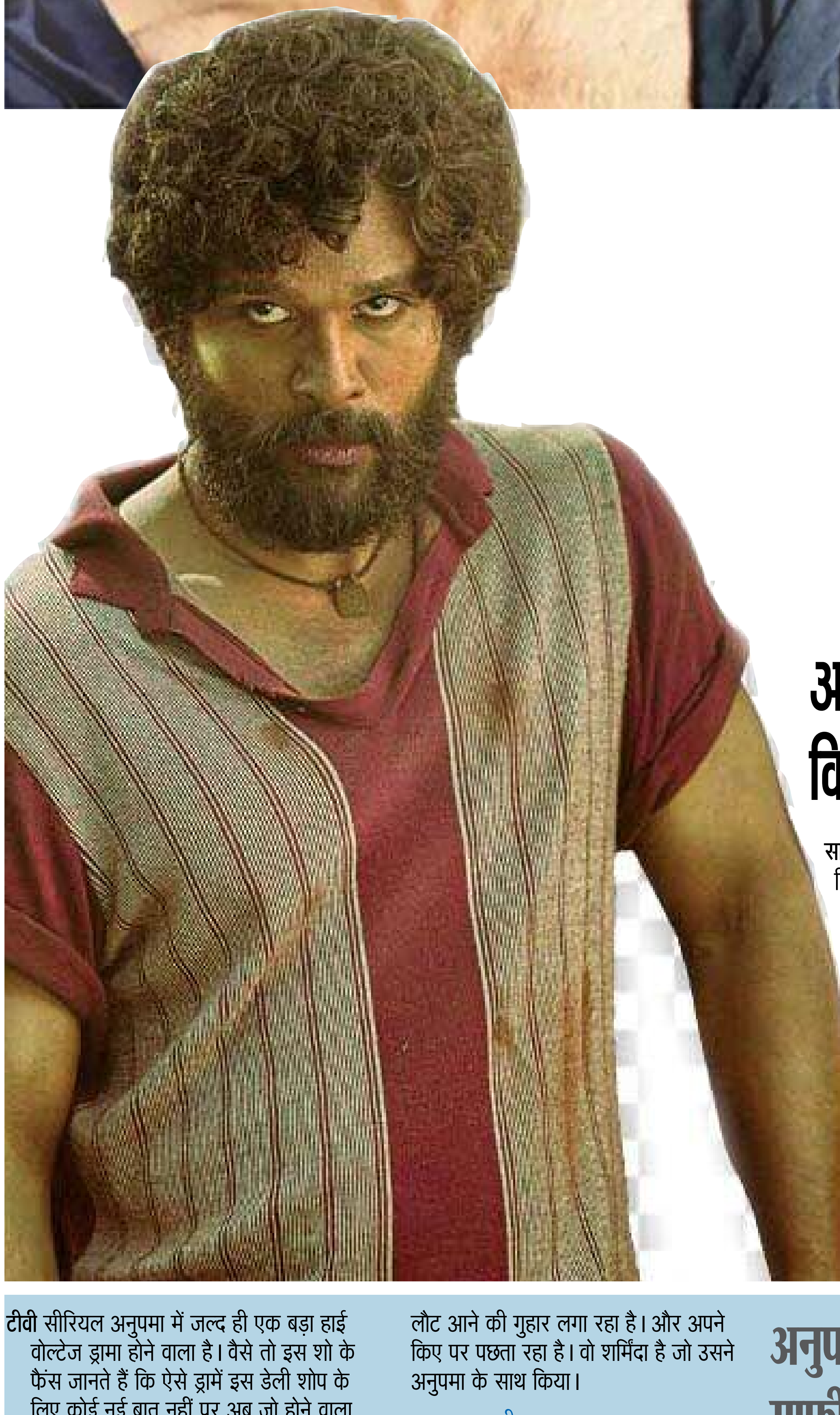

अल्लू अर्जुन ने 'पुष्पा द राइज' के सेट पर किया क्रू मेंबर्स से विशेष आग्रह

साउथ के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर की फिल्म पुष्पा द राइज 17 दिसंबर को रिलीज होने के लिए तैयार है। इसी बीच रविवार को माइथरी मूवी मेकर्स ने अपने ट्विटर हैंडल पर फिल्म मेकिंग के दौरान का एक वीडियो शेयर किया है।

अल्लू अर्जुन ने क्रू मेंबर्स से किया अग्रह

माइथरी मूवी मेकर्स की इस वीडियो की शुरुआत में अभिनेता अल्लू अर्जुन अपनी ओर से क्रू मेंबर्स से आग्रह करते हुए दिख रहे हैं। वो कहते हैं कि मैं अपनी ओर से एक छोटा-सा आग्रह करना चाहता हूं कि, 'हम यहां काफी लंबे वक्त से शूटिंग कर रहे हैं और हम सब ये सुनिश्चित करें कि सभी प्लास्टिक की बोतल, कप और कागज कूड़ेदान में फेंकें।' उन्होंने आगे कहा कि. 'हमें इस जगह से उतनी ही सफाई से निकलना चाहिए जितनी की हमारे आते वक्त ये थे।' वही वीडियो में आगे फिल्म के मेकिंग के दौरान के विजुअल्स को दिखाया गया है। साथ ही वीडियो में फिल्म निर्देशक और कोरियोग्राफर फिल्म के एक्शन सीन्स को समझाते हुए भी दिख रह हैं। इस वीडियो को ट्विटर पर शेयर कर लिखा टीम ने खून पसीने की मेहनत से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

अनुपमा: हॉस्पिटल में मौत से जूझ रहा है अनुज, माफी मांग रहा वनराज, अब क्या करेंगी अनुपमा?

टीवी सीरियल अनुपमा में जल्द ही एक बड़ा हाई वोल्टेज ड्रामा होने वाला है। वैसे तो इस शो के फैंस जानते हैं कि ऐसे ड्रामें इस डेली शोप के लिए कोई नई बात नहीं पर अब जो होने वाला है वो किसी ने सोचा भी नहीं होगा। सोशल मीडिया पर जो तस्वीरें वायरल हो रही हैं उन्हें देखकर लगता है कि सीरियल में एक बहुत बड़ा ट्विस्ट आने वाला है।

अनुज पहुंचा हॉस्पिटल

दरअसल, सोशल मीडिया पर सीरियल की कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं। जिसे देखकर लगता है कि किसी हॉस्पिटल का सीन है, अनुज बेड पर लेटा है। उसके माथे पर पट्टी बंधी है और वो बेहोश है। साथ ही अनुपमा उसे देखकर रोए जा रही है। सबसे बड़ी हैरान करने वाली बात ये है कि वहां वनराज भी मौजूद है।

वनराज मांग रहा माफी

एक दूसरी तस्वीर में वनराज अनुपमा से हाथ जोड़कर माफी मांग रहा है। फैंस इस तस्वीर को देखकर अनुमान लगा रहे हैं कि शायद वनराज अनुपमा से अपनी जिंदगी में वापस लौट आने की गुहार लगा रहा है। और अपने किए पर पछता रहा है। वो शर्मिंदा है जो उसने अनुपमा के साथ किया।

क्या वापस जाएगी अनुपमा

वजह चाहे जो हो, आने वाले दिनों में अनुपमा की जिंदगी पूरी तरह से बदलने वाली है। अब देखना दिलचस्प होगा कि अनुज के लिए उसके मन जो फिलिंग्स आनी शुरू हो गईं थीं उनका क्या होगा? क्या अनुपमा एक बार फिर वनराज की जिंदगी और उसके घर में लौट जाएगी या फिर वो अपने लिए अनुज को चुनेगी?

काव्या को दिया तलाक

इस हफ्ते दर्शकों ने देखा कि कैसे वनराज ने काव्या के हाथों में तलाक के पेपर्स थमा दिए। वो किसी भी हाल में काव्या को घर से बाहर निकालना चाहता है। काव्या तलाक की खबर सुनकर बौखला जाती है और इन सबका दोष अनुपमा को देती है। काव्या इसी झगड़े में अनुपमा पर अटैक कर देती है तब अनुज बीच में आ जाता है और काव्या को हद में रहने की धमकी देता है।

आर्या 2 के ट्रेलर को मिले 30 मिलियन व्यूज

सुष्मिता सेन-स्टारर आर्या 2 एक ऐसी सीरीज है जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इसके ट्रेलर को 30 मिलियन व्यूज के साथ जिस तरह की प्रतिक्रिया मिली है, उससे यह स्पष्ट है कि सीरीज का पार्ट 2 धमाल मचाने वाला है। श्रृंखला में मुख्य किरदार निभाने वाली सुष्मिता ने अपने इंस्टाग्राम पर दर्शकों को प्यार और सराहना के लिए धन्यवाद दिया। दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए, अभिनेत्री ने तस्वीर साझा की और कैप्शन में लिखा, आर्या 2 के सनसनीखेज ट्रेलर को सभी ने प्यार किया है! 30 मिलियन व्यूज का मील का पत्थर पार करना प्रशंसकों द्वारा बरसाए गए प्यार का प्रमाण है। राम माधवानी द्वारा निर्मित और निर्देशित आर्या के सीजन दो में एक माँ की यात्रा है क्योंकि वह अपने परिवार और बच्चों की रक्षा के लिए अपराध और दुश्मनों की अंधेरी दुनिया से लड़ती है। श्रृंखला, जिसमें सिकंदर खेर, विकास कुमार, मेयो साराओ, अंकुर भाटिया, आकाश खुराना और दिलनाज ईरानी भी हैं, 10 दिसंबर से डिजनी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

फिल्म 'तड़प' ने कायम किया रिकॉर्ड, 13 करोड़ के कलेक्शन का है टार्गेट

बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी ने फिल्म 'तड़प' से फिल्मी दुनिया में कदम रखा है. जिसमें वो एक्ट्रेस तारा सुतारिया के साथ लीड रोल में हैं. अहान ने अपनी डेब्यू फिल्म से ही स्क्रीन पर कमाल दिखा दिया है. फिल्म पर्दे पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है. ऐसे में माना जा रहा है कि ये अहान के लिए एक बेहतरीन शुरुआत साबित हो सकती है. बता दें कि फिल्म 'तड़प'पिछले 3 दिसंबर को रिलीज़ हुई है. रिलीज़ के दूसरे दिन फिल्म 4.15 करोड़ रुपये की कमाई के साथ टिकी रही. फिल्म के इन दो दिनों का कलेक्शन मिलाया जाए तो मूवी ने अब तक पूरे 8 करोड़ की कमाई कर ली है. जिसके बाद अब हफ्ते के आखिर तक उनका टार्गेट 13 करोड़ का है. ज़ाहिर है वीकेंड के दिन यानी रविवार को फिल्म के कलेक्शन में 20 से 25प्र. के उछाल की उम्मीद की जा रही है. गौरतलब है कि ये एक रोमैंटिक एक्शन ड्रामा फिल्म है. ऐसे में इस फिल्म में युवाओं की दिलचस्पी ज्यादा होगी. जिसके चलते हो सकता है कि इसके दर्शक सीमित रहें. इस फिल्म को दिल्ली, यूपी और बिहार में लोगों की तरफ से अच्छा रिएक्शन मिल रहा है. अगर फिल्म स्क्रीन पर कलेक्शन इकट्ठा करने पर टिकी रहती है तो ये पिछले 11 सालों में वीकेंड बिज़ साबित होने वाली फिल्मों में सातवें नंबर पर होगी. इससे पहले 'धड़क' ने 33 करोड़ की कमाई की थी, 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' 26 करोड़ पर टिकी थी, 'हीरोपंती' ने 21 करोड़ का कलेक्शन किया था, 'हीरो' ने 20 करोड़ की कमाई की थी, 'काई पो चे' का कलेक्शन 15.40 करोड़ रहा था और 'इश्कजादे' ने 15.50 करोड़ कमाए थे. बहरहाल, अगर बात की जाए फिल्म की तो मिलन लुथारिया ने इसे डायरेक्ट किया है. वहीं साजिद नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के बैनर तले साजिद नाडियाडवाला के प्रोडक्शन में ये फिल्म बनी है. बता दें कि ये मूवी 2018 में आई तेलुगू फिल्म 'आरएक्स 100'' की रिमेक है.

आपको सिर्फ घने बाल चाहिए या स्वस्थ बाल ?

काले घने, लंबे व रेशम जैसे बालों की चाह हर महिला की होती है। लेकिन यह बात बहुत कम महिलाओं को पता होती है कि बालों के रूप व गुणों का सीधा संबंध उनके स्वास्थ्य से होता है और स्वास्थ्य का सीधा संबंध केशों को ब्रश या कंघी द्वारा सही ढंग से संवारने की आदत व तरीके से है।

पौष्टिक भोजन के साथ ही स्वस्थ वातावरण व केशों को संवारने के सही तरीके काफी हद तक उनके रूप व गुणों को तय करते हैं। लेकिन इस प्रक्रिया में ब्रशिंग व कोबिंग भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितना की खाना-पीना। यदि केशों में ब्रशिंग व कोबिंग को सही मात्रा में समय दिया जाए तो केशों के हर छिद्र में पर्याप्त आक्सीजन व पोषण आसानी से पहुंचेगा। लेकिन ब्रश करने का अर्थ केवल यही नहीं है कि जब भी समय मिले, कंघी करने बैठ जाएं। जरूरत से ज्यादा कंघी करने से केश टूट जाते हैं। ब्रश करने का सबसे सही तरीका है कि अपने शरीर को कमर से आगे की ओर झुका कर सिर को नीचे की तरफ झुका लिया जाए। ब्रश को गरदन के पीछे केशों की रेखा पर रख कर ब्रश का स्ट्रोक आगे माथे पर केशों की रेखा तक आने के बाद केशों के अंतिम सिरों तक लगाएं जिससे पूरे सिर की त्वचा पर ब्रश के दांतों की रगड़ महसूस होने के साथ ही केशों में कंपन भी महसूस हो।

ब्रशिंग के बाद केशों में फुलाव, बाडी व स्ट्रेंथ देने के लिए खुले केशों में ही ब्रश करने के तत्काल बाद शरीर को कमर से आगे की ओर इस प्रकार झुकाएं कि केश नीचे की ओर झूलने लगें। इसके बाद शरीर को सीधा करें व गरदन को पीछे की तरफ जितना झुका सकें, झुकाएं। इस क्रिया को पांच बार दोहराने के बाद अपने सिर को पांच बार कंघों की तरफ बारी-बारी से हिलाएं।

आप चाहें तो केशों में ब्रश कभी भी कर सकती हैं लेकिन किसी निर्धारित समय पर केशों में ब्रश करना ठीक रहता है। सुबह ब्रश करने से सिर के सभी तंतु जागरूक हो जाते हैं जिसके परिणामस्वरूप उनकी कार्यशीलता बनी रहती है। केशों में शैंपू करने से पहले ब्रश करना भी लाभदायक रहता है इससे उलझे हुए केश तो ठीक हो ही जाते हैं साथ ही नहाने के बाद आपको केशों को सुलझाने की मशक्कत भी नहीं करनी पड़ेगी। रात को सोने से पहले केशों में रबड़, पिन, क्लिप या दिन के समय की हुई किसी भी प्रकार की सेटिंग को खोल देना चाहिए ताकि मांसपेशियों को आराम मिले। इससे केशों में हवा का संचार ठीक प्रकार से तो होता ही है साथ ही उनमें रूसी भी नहीं लगती। केशों के लिए सही ब्रश का चुनाव करना भी महत्वपूर्ण है। वैसे तो बाजार में नाइलान, प्लास्टिक व प्राकृतिक ब्रिसल वाले ब्रश मिलते हैं लेकिन यदि आप प्राकृतिक ब्रिसल वाले ब्रश लें तो ज्यादा उपयुक्त रहेगा। ब्रश का चुनाव करते समय देख लें कि उसके ब्रिसल इतने कमजोर नहीं होने चाहिएं कि वे दबाव पड़ते ही मुड़ जाएं न ही वह इतने सख्त होने चाहिएं कि सिर की त्वचा को ही छील दें। ●●●

पौष्टिक भोजन के साथ ही स्वस्थ वातावरण व केशों को संवारने के सही तरीके काफी हद तक उनके रूप व गुणों को तय करते हैं। लेकिन इस प्रक्रिया में ब्रशिंग व कोबिंग भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितना की खाना-पीना। यदि केशों में ब्रशिंग व कोबिंग को सही मात्रा में समय दिया जाए तो केशों के हर छिद्र में पर्याप्त आक्सीजन व पोषण आसानी से पहुंचेगा।

हीनभावना को दूर करें पति-पत्नी

पति-पत्नी गृहस्थी के दो पहिए हैं। एक-दूसरे के बिना गृहस्थी की गाड़ी नहीं चल सकती। ऐसे में आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में किसी एक का हीनभावना से ग्रस्त हो जाना पूरे परिवार की गाड़ी में ब्रेक लगा देता है। हीनभावना का कारण चाहे कुछ भी हो परन्तु पति-पत्नी को एक-दूसरे की हीनभावना को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। कई बार महिलाएं समझ ही नहीं पाती हैं कि उनके पति हीनभावना से ग्रस्त हैं। इसके लिए उनके व्यवहार में आए बदलाव को नोट किया जा सकता है। यदि पति आफिस से आकर अपने कपड़े तथा जूते-मोजे इधर-उधर फेंक कर कमरा अस्त-व्यस्त कर दे तो समझ जाइए कि उन्हें आफिस में कोई परेशानी है। कई बार होता यह है कि आफिस में महिला बॉस आ जाए और वह सख्ती शुरू करे तो पुरुष उसे आसानी से सहन नहीं कर पाते। महिला बॉस की एक-दो डांट से ही पुरुषों के मन में हीनभावना पनपने लगती है। कई बार पत्नी की खूबसूरती भी पति में हीनभावना पनपाने में सहायक होती है। हर कोई जब पत्नी की खूबसूरती की तारीफें करता रहे और पति को पूछे भी न और यह कहे कि तुम्हारी तो लाटरी खुल गई जो तुम जैसे को इतनी खूबसूरत पत्नी मिल गई। ऐसे में पति के मन में हीनभावना पनपना स्वाभाविक ही है। अपने पति को हीनभावना से निकालना आपका कर्तव्य है। पहले तो प्रयास करें कि ऐसे लोगों से दूर रहें जो आपके गुणों के कारण नहीं बल्कि खूबसूरती के कारण आपकी तारीफ करते हैं। अपने पति को यह अहसास दिलाना जरूरी है कि आपकी नजरों में खूबसूरती से ज्यादा गुण महत्व रखते हैं और आप उन्हें इसीलिए चाहती हैं क्योंकि उनमें सब गुण मौजूद हैं। उन्हें बताइए कि आप उनके कुछ गुणों को अपनाना चाहती हैं। पति की उदासीनता के कई कारण माने गए हैं पर सबसे बड़ा कारण अहं होता है। जब किसी आदमी के अहं को ठेस पहुंचती है तो वह या तो दुनिया से स्वयं को काट लेता है या दुनिया पर हावी हो जाने की कोशिश करता है। जो व्यक्ति हावी हो जाता है वह अपनी हीनभावना की कड़वाहट को प्रसिद्धि पाने के प्रयास में उपयोग कर लेता है और जो व्यक्ति स्वयं को दुनिया से अलग कर एक जगह बंद हो जाता है उसका व्यक्तित्व ही समाप्त हो जाता है। कई बार पत्नी की शोहरत से ईर्ष्या कर के भी पति के मन में हीनभावना आ जाती है। पति के मन में यदि हीनभावना घर कर जाए तो वह आपको नजरअंदाज तो करेगा ही और बच्चों की तरफ भी ज्यादा नहीं ध्यान देगा। निश्चय ही वह अपने लिए बाहर कोई सहारा तलाश करेगा। यदि आप पत्नी होकर पति से अपने बर्थडे व अन्य खास बातें याद रखने को कहती हैं तो पत्नी होकर आपका भी दायित्व बनता है कि आप पति के साथ कदम से कदम मिला कर दांपत्य जीवन को सफल बनाएं न कि पति के हीनभावना से ग्रस्त होने पर उनका दामन छोड़ कर मायके चली जाएं। पति-पत्नी दोनों के ही कुछ कर्तव्य होते हैं। जब आपको पति ने कुछ हक दिए हैं तो उसी के साथ आपके कुछ कर्तव्य भी हैं जिनका पालन करना आपके लिए बेहद जरूरी है। आपको चाहिए कि पति की हीनभावना दूर करने के लिए भरसक प्रयास करें। ●●●

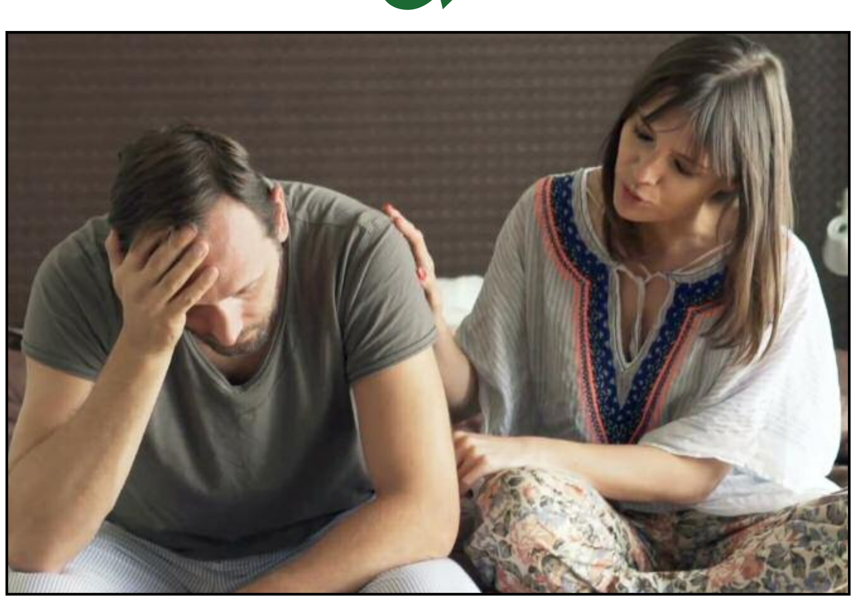

महिलाओं को दिल की बीमारियों का खतरा अधिक

दुनिया भर में दिल की बीमारियों के तेजी से बढ़ते मामलों के बीच महिलाओं के सामने इन बीमारियों का खतरा ज्यादा पैदा हो सकता है क्योंकि वे अक्सर दिल की बीमारियों को कमतर आंकती हैं। डॉक्टर उपेंद्र कौल के अनुसार, दिल से जुड़ी बीमारियों के मामले में महिलाएं भी पुरुषों से कहीं पीछे नहीं हैं। मधुमेह होने पर एक महिला में हृदयाघात की संभावना तीन से चार गुना ज्यादा हो जाती है। 29 सितंबर के दिन को वर्ल्ड हार्ट फेडरोन विश्व हृदय दिवस' के रूप में मनाता है। फेडरोन ने इस वर्ष (2012) को महिलाओं और बच्चों का दिल की बीमारियों से बचाव' के रूप में मनाने की घोषणा की है। डॉक्टर कौल कहते हैं कि महिलाएं अभी भी इस भ्रम से नहीं निकल पाई हैं कि हृदयाघात पुरुषों की बीमारी है'। जबकि महिलाओं में कम से कम आधी मौतों की वजह दिल की बीमारियों या इससे जुड़ी समस्याओं से होती हैं। पुरुषों को हृदयाघात होने पर सीने में दर्द होता है जबकि महिलाओं में यह कुछ अलग तरीके से भी हो सकता है।

कुछ महिलाओं को हृदयाघात आने पर सीने में दर्द नहीं होता। इसके साथ ही कुछ महिलाओं को कुछ अतिरिक्त लक्षण दिखाई पड़ते हैं। इन लक्षणों में कमर में दर्द, पेट के निचले हिस्से में दर्द, जबड़े में दर्द, सांस की कमी, उबकाई और उल्टी आना शामिल हैं। इन लक्षणों में बदलाव की वजह से अक्सर महिलाओं में हृदयाघात की पहचान में देरी हो जाती है जिससे आगे चलकर जटिलताएं और मौतों की संख्या बढ़ जाती हैं। हृदयरोग विशेषज्ञों का कहना है कि बोक यह बीमारी व्यक्ति के वयस्क होने पर नजर आती है लेकिन इसकी नींव बचपन से ही पड़ जाती है। इसलिए रहन-सहन के सही तरीके और आदतों को जीवन के शुरूआती दौर से ही अपना लेना चाहिए। दिल के लिए स्वास्थ्यकारी खानपान और शारीरिक कसरत को गुरू से अपनाकर दिल से जुड़ी बीमारियों से बचा जा सकता है। हर व्यक्ति को रोजाना लगभग आधे घंटे का शारीरिक कार्य तो करना ही चाहिए। साथ ही खून में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ाने वाली संतृप्त वसा की मात्रा को अपने भोजन में कम करें। इससे धमनियों से जुड़ी बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है। रोज नियमित व्यायाम से वजन पर नियंत्रण करने में मदद मिलती है। इससे घातक हृदय रोगों का खतरा कम होता है। संतुलित खानपान समेत अन्य रहन-सहन से जुड़ी चीजों के साथ मिलकर इन अभ्यास का परिणाम और अच्छा आता है। ●●●

छुट्टियों के लिए अच्छी जगह तेनी

तमिलनाडु का महत्वपूर्ण जिला तेनी हॉलिडे के लिए परफेक्ट जगह हैं। यहां आपको ग्रामीण परिवेश की झलक मिलेगी। पश्चिमी घाट की गोद में बसा यह नया जिला अपने आप में कई जगह समेटे हुए हैं जैसे पेरियाकुलम, उत्तमपलायम और एंडीपति जो अपने हैंडीक्राफ्ट और हैंडलूम के लिए मशहूर है। तेनी वैसे तो शॉपिंग के लिए बेहतरीन माना जाता हैं पर यहां के मसालों की खुशबू देश-विदेश के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है। यहां आने पर शॉपिग करना न भूलें। यहां के मुलायम तौलिए, रसीले आम, और बेहतरीन सिल्क कॉटन बेहद खास हैं। मसालों की खुशबू से यह जिला हमेशा महकता रहता है। खुशबुदार इलायची, तीखी मिर्च, तरोताजा कर देने वाली काफी बींस और स्वास्थ्यवर्धक ग्रीन टी यहां की खास चीजों में शामिल है। तेनी अपने आप में इतनी खूबसूरती समेटे हुए हैं कि आपकी नजरें यहीं ठहर जाएंगी। मगर पर्यटन के हिसाब से यहां के और भी कई मुख्य आकर्षण हैं। तेनी को लैंड ऑफ डैम, टेंपल और वाटरफॉल भी कहा जाता है। यहां के बांध खूबसूरत पिकनिक स्पॉट भी हैं, जैसे सोदुपराई और शैनमुगनंदी डैम। सुरूली फाल्स यहां खूबसूरत वॉटरफाल में से हैं। तेनी हिंदुओं का तीर्थस्थान भी हैं। यहां कई मंदिर हैं। पूरे भारत से तीर्थयात्री यहां मंदिरों में दर्शन के लिए आते हैं। मुख्य मंदिर में गोमरियामन मंदिर, देवअदनपाती कामाक्षी मंदिर और बालासुब्रहमण्यम मंदिर हैं। इसके अलावा तेनी में कई और पर्यटक स्थल दर्शनीय हैं- जैसे मेघामलाई हिल्स, बोदी मेटू, पर्वसा उलागम बाटर थीम पार्क। फरवरी-मार्च में यहां त्योहारों और मेलों का मजा लिया जा सकता हैं। पोंगल, शिवरात्रि यहां धूमधाम से मनाई जाती हैं। त्योहारों के दौरान बैलगाड़ी की प्रतियोगिता यहां मुख्य आकर्षण है। तेनी आप कभी भी जा सकते हैं पर त्योहारों के समय यहां घूमने का मजा दुगुना हो जाता है। तेनी दूसरे शहरों से सड़क और रेल यातायात से बेहतर तरीके से जुड़ा हैं। नजदीकी हवाई अड्डा मदुरै है। ●●●

अगले साल कई अंतरराष्ट्रीय ओपन प्रतियोगिताओं की मेजबानी करेगा एआईसीएफ

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने 2022 के लिए व्यस्त कैलेंडर की घोषणा की है जिसमें देश भर में 13 अंतरराष्ट्रीय ओपन टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। साल की शुरुआत यहां आईजीआई स्टेडियम में एमपीएल राष्ट्रीय जूनियर चैंपियनशिप (अंडर-20) से होगा जबकि अहमदाबाद 23 फरवरी से दो मार्च तक अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय ओपन के रूप में पहले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। एआईसीएफ के अध्यक्ष डॉ. संजय कपूर ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, पहली बार सभी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए एमपीएल के रूप में हमारे पास प्रायोजक होगा। उन्होंने कहा, उनकी और हमारे अन्य प्रयासों की बदौलत हम प्रत्एक टूर्नामेंट में आकर्षक इनामी राशि की पेशकश करेंगे। राष्ट्रीय महिला चैंपियनशिप का आयोजन नौ से 19 फरवरी तक होगा जबकि राष्ट्रीय सीनियर चैंपियनशिप नौ से 21 फरवरी तक खेली जाएगी। ए दोनों प्रतियोगिताएं क्रमशः आंध्र प्रदेश के भीमावरम और कानपुर में होंगी। विज्ञप्ति के अनुसार 2022 में होने वाली सभी बड़ी विश्व चैंपियनशिप के लिए टीम का चयन इन प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा।

श्रृंखला

भारत मार्च में अगले डेविस कप मुकाबले के लिए डेनमार्क की मेजबानी करेगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत अगले साल चार और पांच मार्च को डेविस कप टेनिस प्रतियोगिता के विश्व ग्रुप एक के मुकाबले में डेनमार्क की मेजबानी करेगा। फरवरी 2019 के बाद से यह पहली बार होगा कि भारत घरेलू सरजमीं पर डेविस कप मुकाबला खेलगा। भारत ने इससे पहले फिनलैंड (2021), क्रोएशिया (2020) और कजाकिस्तान (2019, पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए) की यात्रा की थी। भारत ने फरवरी 2019 में अपनी सरजमीं पर इटली की मेजबानी की। कोलकाता में खेले गए इस मुकाबले में उसे।-3 से हार का सामना करना पड़ा था। डेनमार्क के पास होल्गर रूण (103 वीं रैंकिंग) के रूप में एकल वर्ग में ऐसा खिलाड़ी है जिसकी रैंकिंग भारतीय खिलाड़ियों से बेहतर है। इसके बावजूद घरेलू परिस्थितियों के कारण भारत का पलड़ा भारी होगा। भारत और डेनमार्क की टीमों ने डेविस कप में सिर्फ दो बार एक-दूसरे का सामना किया है। 1927 में कोपनहेगन में डेनमार्क ने भारत को 5-0 से हराया तो वही सितंबर 1984 में भारत ने आरहूस में खेले गए मुकाबले में 3-2 से जीत दर्ज की थी। भारतीय कोच जीशान अली ने कहा, शुक्र है कि कई टाई के बाद हमें घरेलू मैच मिला है। पिछले दो मुकाबले हमारे लिए कठिन थे, हमने क्रोएशिया से खेला जिसने डेविस कप फाइनल में जगह बनाई। इसके बाद हमने फिनलैंड खेला और सभी को लगा कि फिनलैंड एक आसान टीम है, लेकिन ऐसा नहीं था। उन्होंने कहा, कागज पर भारत को एक मजबूत टीम माना जाता है, लेकिन रामकुमार रामनाथन (विश्व रैंकिंग 190) को छोड़कर हमारे पास एकल में शीर्ष 200 (रैंकिंग) में कोई नहीं है। लंबे समय से हमारे पास शीर्ष-100 का कोई खिलाड़ी नहीं है। उन्होंने कहा, हम हमेशा अंडरडॉग (जीत के कम दावेदार) रहे है लेकिन डेविस कप में हमारे खिलाड़ियों ने हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया है। जीशान का मानना है कि बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि इस मुकाबले के लिए कौन से खिलाड़ी उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा, पिछली बार हमारा शीर्ष खिलाड़ी हमारे साथ नहीं था, युकी भांबरी चोटिल था। अगर हमारे पास पूरी ताकत वाली टीम होगी तो अच्छा मौका होगा। अगर सुमित (नागल) मार्च तक फिट हो जाता है और और युकी भी चयन के लिए उपलब्ध रहता है तो हमारे पास डेनमार्क को हराने का अच्छा मौका होगा। प्रजनेश गुणेश्वरन (215) शीर्ष 200 रैंकिंग से बाहर हो गए हैं और हाल ही में कूल्हे की चोट से उबरने के लिए ब्रेक लेने वाले सुमित अब 218 वें स्थान पर हैं।कामकुमार ने हाल ही में एक चैलेंजर प्रतियोगिता जीतकर शीर्ष 200 में फिर से प्रवेश किया।

बांग्लादेश-पाकिस्तान टेस्ट तीसरे दिन का खेल बारिश की भेंट चढ़ा

एजेंसी ■ ढाका

बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन का खेल सोमवार को लगातार बारिश के कारण एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया। लंच के नियमित ब्रेक के लगभग 90 मिनट बाद दिन का खेल रद्द करने की घोषणा की गई जब चक्रवात जवाद के कारण हो रही बारिश के रुकने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही थी। अब तक मैच के प्रत्एक दिन भारी बारिश हुई है। पहले दिन के तीसरे सत्र का खेल बारिश और खराब रोशनी के कारण नहीं हो पाया था जबकि दूसरे दिन सिर्फ 6.2 ओवर का खेल हो पाया। अगले 24 घंटे में बांग्लादेश के कई हिस्सों में बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने की भविष्यवाणी की गई है जिससे मैच ड्रॉ की ओर बढ़ता दिख रहा है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 63.2 ओवर में दो विकेट पर 188 रन बनाए हैं।कप्तान बाबर आजम 71 जबकि अजहर अली 52 रन बनाकर खेल रहे हैं। पाकिस्तान ने पहला टेस्ट आठ विकेट से जीता था और दो टेस्ट की श्रृंखला में।-0 से आगे चल रहा है।

टेस्ट मैच न्यूजीलैंड ने 1988 से भारत में कोई टेस्ट मैच नही जीता है

भारत की सबसे बड़ी जीत

एजेंसी ■ मुंबई

भारत ने न्यूजीलैंड को दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में 372 रन शिकस्त दी जो उसकी टेस्ट मैचों में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत और कीवी टीम की सबसे बड़ी हार है। न्यूजीलैंड की टीम कानपुर में पहले टेस्ट मैच में बमुश्किल हार टाल पाई लेकिन मुंबई से उसे करारी शिकस्त झेलनी पड़ा। न्यूजीलैंड ने 1988 से भारत में कोई टेस्ट मैच नहीं जीता है और वह अभी तक भारतीय धरती पर टेस्ट श्रृंखला नहीं जीत पाया। भारत का इससे पहले रनों की लिहाज से सबसे बड़ी जीत का रिकार्ड दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ था जिसे उसने 2015 में नई दिल्ली 337 रन से हराया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ इससे पहले उसका रिकार्ड 321 रन से जीत का था जो उसने 2016 में इंदौर में हासिल किया था। न्यूजीलैंड की यह रनों के लिहाज से सबसे बड़ी हार है। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने उसे 2007 में जोहानिसबर्ग में 358 रन से पराजित किया था। भारत के स्टार ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने सोमवार को केवल एक विकेट लिया लेकिन हेनरी निकोल्स को आउट करके वह घरेलू धरती पर 300 टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों के विशेष क्लब में शामिल हो गए। भारत की तरफ से अश्विन से पहले यह कारनामा केवल अनिल कुंबले ने किया था जिन्होंने अपने देश में 350 विकेट लिए हैं। कुंबले और अश्विन के बाद हरभजन सिंह (265) और कपिल देव (219) का नंबर आता है। अश्विन अपने घरेलू मैदानों पर 300 विकेट लेने वाले दुनिया के कुल छठे गेंदबाज बन गए हैं। उनसे पहले श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन (493), इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन (402), कुंबले, इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड (341) और आस्ट्रेलिया के शेन वार्न (319) ने यह उपलब्धि

कुंबले क्लब में शामिल हुए अश्विन

हासिल की थी। अश्विन ने 49 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की जबकि मुरलीधरन 48 मैचों में इस मुकाम तक पहुंचे थे। कुंबले ने घरेलू धरती पर 300वां विकेट अपने 52वें मैच में लिया था। इस ऑफ स्पिनर को मैन ऑफ द सीरीज भी चुना गया। यह नौवां अवसर है जबकि उन्होंने यह पुरस्कार जीता। अश्विन ने इस मामले में जॉक कैलिस की बराबरी की जबकि रिकार्ड मुरलीधरन (11) के नाम पर है। अश्विन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने विकेटों की संख्या 66 पर पहुंचा दी है जो कि इन दोनों टीम के बीच नया रिकार्ड है। अश्विन ने रिचर्ड हैडली (65) को पीछे छोड़ा। न्यूजीलैंड के लिए यह मैच स्पिनर ऐजाज पटेल के पहली पारी में सभी 10 विकेट लेने के कारण यादगार रहा। पटेल ने इस मैच में 225 रन देकर 14 विकेट लिए लेकिन उनकी टीम मैच नहीं जीत पाई। यह पराजित टीम के लिए किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बन गया है। इससे पहले का रिकार्ड जवागल श्रीनाथ के नाम पर था जिन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ कोलकाता में 132 रन देकर 13 विकेट लिए थे लेकिन भारत 46 रन से मैच हार गया था। पराजित टीम के लिए किसी एक गेंदबाज का पारी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का रिकार्ड भी पटेल के नाम से जुड़ गया है। पहले यह रिकार्ड कपिल देव (9183 बनाम वेस्टइंडीज, अहमदाबाद, 1983) के नाम पर था।

भारत आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचा

एजेंसी ■ मुंबई

विश्व टेस्ट चैंपियन न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला जीतकर भारत ने सोमवार को आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत ने कानपुर में पहला मैच ड्रॉ होने के बाद मुंबई में खेले गए दूसरे टेस्ट के चौथे दिन 372 रन की शानदार जीत दर्ज की। भारत जून में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में न्यूजीलैंड से हार गया था। विराट कोहली की अगुवाई वाली टीम के अब 124 रेटिंग अंक हैं और उसके बाद न्यूजीलैंड (121), ऑस्ट्रेलिया (108), इंग्लैंड (107), पाकिस्तान (92), दक्षिण अफ्रीका (88), श्रीलंका (83), वेस्टइंडीज (75), बांग्लादेश (49) और जिम्बाब्वे (31) का नंबर आता है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में भारत 42 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। श्रीलंका दो मैचों में दो जीत के साथ इस तालिका में शीर्ष पर है जबकि पाकिस्तान 66.66 के जीत प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है।

नए सहयोगी सदस्यों के साथ भी मानसिकता पहले जैसी है: कोहली

एजेंसी ■ मुंबई

विराट कोहली-राहुल द्रविड़ युग की शुरुआत न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में जीत के साथ हुई और कप्तान ने सोमवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने के बाद कहा कि टीम नए सहयोगी सदस्य भी उसी सोच और उद्देश्य का अनुसरण कर रहे हैं जैसा की पिछली व्यवस्था में किया जा रहा था। पूर्व महान खिलाड़ी द्रविड़ ने मुख्य कोच के रूप में रवि शास्त्री की जगह ली है , जबकि पारस म्हाम्ब्रे और टी दिलीप क्रमशः भरत अरुण और आर श्रीधर के स्थान पर नए गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण कोच बने है। न्यूजीलैंड को दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन 372 रन के बड़े अंतर से हराने के बाद कोहली ने कहा, नए प्रबंधन के साथ भी हमारी मानसिकता वही है कि भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाना है। भारतीय क्रिकेट के मानकों को बनाए रखना और यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि यह हमेशा बढ़ता रहे। कोहली और शास्त्री ने एक सफल कप्तान-कोच संयोजन बनाया था जिसने विदेशों में कई टेस्ट श्रृंखलाओं में जीत दर्ज की थी। कोहली ने कहा कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में मिली सफलता ने टीम के विदेश में खेलने के अनुभव और आत्मविश्वास को बढ़ाया है और भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के आगामी दौरे पर पहली बार टेस्ट श्रृंखला जीतने के इरादे से उतरेगी। भारत ने 1992 से अब तक दक्षिण अफ्रीका में तीन टेस्ट जीते हैं लेकिन टीम अभी तक वहां एक भी श्रृंखला नहीं जीत पाई है। पिछले दौरे (2017-18) में उन्हें।-

जो रूट ने पहले एशेज टेस्ट के लिए अंतिम एकादश का खुलासा नहीं किया

एजेंसी ■ ब्रिसबेन

इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार से शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट मैच के लिए अपनी अंतिम एकादश का खुलासा करने से इन्कार कर दिया। रूट ने यह समाचार आने से पहले संवाददाताओं को संबोधित किया कि पृथकवास से जुड़ी चिंताओं के कारण पांचवां टेस्ट मैच पर्थ में नहीं होगा। आस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिन्स ने रविवार को साहसिक कदम उठाते हुए ब्रिसबेन के गाबा मैदान पर होने वाले मैच के लिए तीन दिन पहले ही अंतिम एकादश घोषित कर दी थी। रूट ने हालांकि इस पर चर्चा करने से इन्कार कर दिया कि हसीब हमीद की शीर्ष तीन में जगह बनी रहेगी या जॉनी बेयरस्टॉ या ओली पोप में से छठे नंबर पर कौन बल्लेबाजी करेगा। उन्होंने यह बताने से भी इन्कार कर दिया कि जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड दोनों खेलेंगे या नहीं। रूट ने कहा, मैं दिमागी खेल नहीं खेल रहा हूं। मैं अभी अपनी टीम घोषित करने की स्थिति में नहीं हूं। उन्होंने कहा, सच्चाई यह है कि उनके अपनी अंतिम एकादश की घोषणा करने से मैं वास्तव में चिंतित नहीं हूं या इससे हमारे दृष्टिकोण में कोई बदलाव नहीं आया है। हम अपने हिसाब से आगे बढ़ेंगे और जब हमें उचित लगेगा आपको बता देंगे। रूट ने कहा कि उन्होंने अभी तक गाबा की पिच नहीं देखी और इसलिए यह बताने की स्थिति में नहीं हैं कि टॉस जीतने पर वह पहले बल्लेबाजी का फैसला करेंगे या गेंदबाजी का। एक आस्ट्रेलियाई पत्रकार ने उन्हें बताया कि पिच में हरी घास दिख रही है। इस पर रूट ने कहा, एक तेज गेंदबाज और आस्ट्रेलिया के कप्तान के रूप में पैट (कमिन्स) अपना प्रभाव छोड़ चुका है। अगर पिच में घास है तो देखते हैं कि कल और मैच की सुबह वह कैसे दिखती है। अभी मैंने यह फैसला नहीं किया है।

मेदवेदेव की अगुवाई में रूस ने 15 साल बाद जीता डेविस कप

मैड्रिड। दानिल मेदवेदेव के एक और शानदार प्रदर्शन से रूस ने 15 साल बाद डेविस कप टेनिस प्रतियोगिता का खिताब जीता। मेदवेदेव ने दूसरे एकल मैच में मारिन सिलिच को 7-6 (7), 6-2 से हराकर रूस को क्रोएशिया पर 2-0 की अजेय बढ़त दिलाई। यह रूस का 2006 के बाद पहला डेविस कप खिताब है। मेदवेदेव ने कहा, यह शानदार अहसास है लेकिन मैं खुद से ज्यादा टीम के लिए खुश हूं। हमारी शानदार टीम है और माहौल बहुत अच्छा है। यह लगातार पांचवां मैच है जबकि विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी मेदवेदेव की डेविस कप में जीत दर्ज की।

पोलो सीजन मैच से पूर्व मुख्य अतिथि ने रंगीन बेलून हवा में छोड़ सीजन का शुभारंभ किया

जोधपुर पोलो सीजन 2021 की रंगारंग शुरुआत

एजेंसी ■ जोधपुर

जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के तत्वावधान में महाराजा गजसिंह स्पोर्ट्स फाउण्डेशन पोलो मैदान, एयरफोर्स रोड़, पाबूपुरा में आज से शुरु हुए 22वें जोधपुर पोलो सीजन 2021 में सोमवार को उम्मेद भवन पैलेस कप (2 गोल) टूर्नामेंट की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि के रूप में मैदान में उपस्थित उम्मेद भवन पैलेस के जनरल मैनेजर मनु शर्मा मेहरानगढ़ बैण्ड की सुमधुर सुर लहरियों के बीच बग्गी में बैठकर मैदान में पहुंचे व रंगीन बेलून आकाश में छोड़कर सीजन की रंगारंग शुरुआत करवायी और मैच की पहली गेंद फेंक कर खेल शुरु करवाया। जोधपुर पोलो एवं इस्क्स्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के मानद सचिव कर्नल उम्मेदसिंह ने बताया कि टूर्नामेंट में आज प्रातः 10.45 बजे मेयो और फोर्ट के बीच अरीना पोलो मैच खेला गया जिसमें मेयो टीम ने फोर्ट टीम को चार गोल के मुकाबले 18 गोल कर 14 गोल के अन्तर से हराते हुए मैच जीत लिया। मैच में मेयो टीम के सीनियर खिलाड़ी सैय्यद बशीर अली ने कुल 16 गोल करते हुए मैच को एकतरफा कर दिया। बशीर ने पहले चक्कर में आठ गोल, दूसरे चक्कर में पांच गोल व तीसरे चक्कर में तीन गोल किये। टीम के अन्य खिलाड़ी वर्मनसिंह ने भी दूसरे व तीसरे चक्कर में एक-एक गोल किया।मुकाबले में फोर्ट टीम के अनिरूद्ध सिंह ने दूसरे चक्कर में एक गोल व तीसरे चक्कर में दो गोल तथा साथी खिलाड़ी कौशिक कुमार ने तीसरे चक्कर में एक गोल किया। मैच के रैफरी कर्नल उम्मेद सिंह, अम्पायर धनन्जयसिंह व कमेंटेंटर अजितेजसिंह थे।

मंगलवार 7 दिसम्बर को खेला जाएगा एक मैच -

मंगलवार 7 दिसम्बर को उम्मेद भवन पैलेस कप टूर्नामेंट के तहत बालसमंद व उम्मेद भवन पैलेस टीमों के बीच प्रातः 10.45 बजे मैच खेला जायेगा। पोलो सीजन में चार टूर्नामेंट होंगे। इसमें सोमवार 6 से 8 दिसम्बर को उम्मेद भवन पैलेस कप अरिना पोलो 2 गोल, एच.एच. महाराजा ऑफ जोधपुर कप 8 गोल 10 से 14 दिसम्बर, राजपूताना व सेन्ट्रल इण्डिया कप 10 गोल 17 से 23 दिसम्बर व 24 से 30 दिसम्बर के मध्य महाराजा । जाऑफ जोधपुर गोल्डन जुबली कप 10 गोल होगा।

एक नजर

पर्थ में कड़े पृथकवास नियमों के कारण नही होगा एशेज टेस्ट

ब्रिसबेन। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने सोमवार को पुष्टि की कि इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एशेज श्रृंखला का पांचवां टेस्ट पर्थ में नहीं खेला जाएगा। सीए ने कहा कि जैव-सुरक्षा आवश्यक्ता को पूरा करने में होने वाली परेशानी को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। पश्चिम ऑस्ट्रेलिया (डब्ल्यूए) राज्य में नियमों के मुताबिक वहां पहुंचने के बाद खिलाड़ियों के लिए पृथक्वास जरूरी है। इस मैच के लिए वैकल्पिक स्थल का चयन अभी नहीं हुआ है लेकिन इसके लिए तस्मानिया का होबार्ट सबसे आगे चल रहे हैं। क्वींसलैंड, विक्टोरिया और न्यू साउथ वेल्स राज्यों के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ने भी मैच की मेजबानी में रुचि व्यक्त की है। सीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निक हॉकले ने कहा, पर्थ स्टेडियम में पुरुष एशेज के पांचवें टेस्ट का आयोजन करने में असमर्थ रहने पर हम बहुत निराश हैं। हमने मौजूदा सीमा और स्वास्थ्य व्यवस्था के तहत काम करने के लिए डब्ल्यूए सरकार और डब्ल्यूए क्रिकेट के साथ साझेदारी में वह सब कुछ किया जो कर सकते थे। लेकिन दुर्भाग्य से यह संभव नहीं हो सका।

अभिषेक सैनी ने बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय चैलेंज का खिताब जीता

ढाका। भारत के अभिषेक सैनी ने हमवतन रित्विक संजीवी को फाइनल में सीधे गेम में हराकर यहां बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय चैलेंज बैडमिंटन टूर्नामेंट का पुरुष एकल खिताब जीत लिया। रविवार को खेले गए फाइनल में सैनी ने रित्विक को 34 मिनट में 21-15 21-18 से हराया। इससे पहले सेमीफाइनल में सैनी ने हमवतन कार्तिकेय गुलशन कुमार को 17-21 21-15 21-15 से हराया जबकि रित्विक ने इंडोनेशिया के सुलिसतियो तेगर को 21-13 19-21 21-14 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया था। मेहरीन रिजा और आरती सारा सुनील की भारतीय जोड़ी ने महिला युगल का खिताब जीता। इस जोड़ी ने फाइनल में कस्तूरी राधाकृष्णन और वेनोशा राधाकृष्ण की मलेशिया की जोड़ी को सीधे गेम में 22-20 21-12 से शिकस्त दी।

गौरीश दहिया के शानदार खेल से बाबा हरिदास अकादमी को बिरमा देवी क्रिकेट टूर्नामेंट ख़िताब जीता

। नई दिल्ली

गौरीश दहिया- रोहित गहलावत 73 द्वीप गहलोत 61 यश सिवाच 3/23 की शानदार खेल की मदद से बाबा हरिदास अकडेमी ने तितिक्षा स्कूल रोहणी में खेले जा रही बिरमा देवी मेमोरियल डे नाईट क्रिकेट टूर्नामेंट में जनकपुरी अकादमी को 124 रनो से हराकर ख़िताब जीता पहले बालेबाजी करते हुए बाबा हरिदास अकादमी ने 9 विकेट पर 261 रन बनाये जिस के जवाब में जनक पूरी अकादमी की पूरी टीम 137 रन बना के आल आउट हो गई और मैच 124 रनो से हर गई पराजित टीम की और से उदय चावला 48 लक्ष्य गुटम ने शानदार 36 रन बनाये पर अपनी टीम को हर से न बचा पाए शानदार खेल के लिए गौरीश दहिया को मन ऑफ़ द मैच से सम्मानित किया गय। टूर्नामेंट में बेस्ट बैट्समैन जतिन यादव, बेस्ट बॉलर राहुल बेस्ट आल राउंडर द्वीपगहलोट और एमर्जिंग प्लेयर मोहित मालावत को दिया गया।

मयंक रावत के संदर खेल से हरयाणा क्रिकेट अकडेमी आल इंडिया सीता रानी जुनेजा क्रिकेट कप के सेमि फाइनल में

मयंक रावत 78 रन नॉट आउट अविनीश सुधा 3/21 हितेश जेमिनी 3/22 के शानदार खेल की मदद से हरयाणा क्रिकेट अकादमी धसा 9 विकट पर 216 रन ने हरयाणा ग्राउंड में खेले जा रहे आल इंडिया सीता रानी जुनेजा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में बेयरकट्स सी 173 आल आउट को 43 रनो से हराकर सेमि फाइनल में प्रवेश किया हरी हुए टीम की और से गोविन्द राठौर 53 धीरू सिंह 51 रनो की पारी भी अपनी टीम को हर से न बचा पाए शानदार खेल के लिए मयंक रावत को मन ऑफ़ द मैच से सम्मानित नेरू गुलिया जी ने किया।